अमृत महोत्सव श्रृंखला #42

#AmritMahotsav

स्वामी दयानंद सरस्वती

(12 फरवरी 1824 - 30 अक्टूबर 1883)

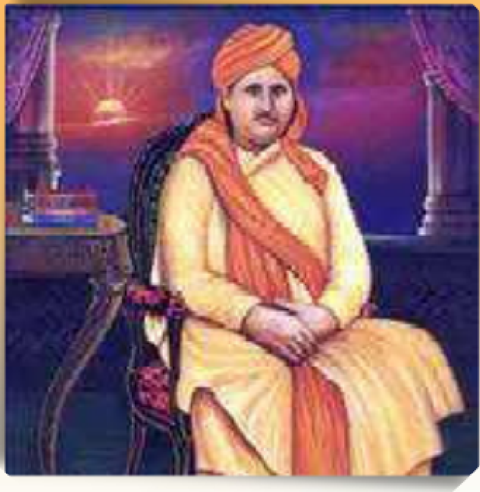

- **12 फरवरी 1824 को टंकारा, गुजरात में जन्म**
- **आध्यात्मिक नेता, आर्य समाज के संस्थापक और समाज सुधारक**
- **जाति व्यवस्था, बाल विवाह और महिलाओं के साथ भेदभाव के कटुआलोचक**
- **अपनी पुस्तक 'सत्यार्थ प्रकाश' के माध्यम से सामाजिक रूढ़िवादिता और कुरीतियों का विरोध किया**
- **'स्वराज्य' का आह्वान करने वाले पहले व्यक्ति थे जिसका बाद में लोकमान्य तिलक द्वारा अनुसरण किया गया**
- **अपने समाज सुधार आंदोलनों के माध्यम से भारत की स्वतंत्रता में योगदान दिया**
- **30 अक्टूबर 1883 को निधन**

@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

BOC_MIB

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

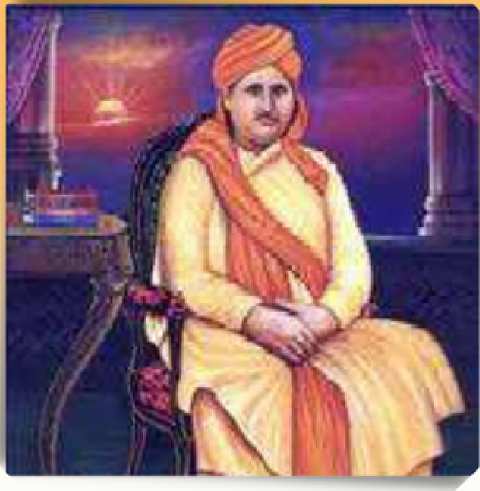

Swami Dayananda Saraswati

(12 February 1824 - 30 October 1883)

- Born on 12 February 1824 in Tankara, Gujarat
- Spiritual leader, founder of Arya Samaj and a social reformer
- Condemned caste system, child marriages and discrimination against women
- Gave new interpretations to reform the orthodox society through his book Satyarth Prakash
- Was the first one to give the call for 'Swarajya' which was later followed by Lokmanya Tilak
- Contributed to the Indian Independence through his social reform movements
- Died on 30 October 1883

अमृत महोत्सव श्रृंखला #41

#AmritMahotsav

कमलादेवी चट्टोपाध्याय

(3 अप्रैल 1903-29 अक्टूबर 1988)

- भारत में विधायी सीट के लिए चुनाव लड़ने वाली प्रथम भारतीय महिला
- ब्रिटिश सरकार द्वारा गिरफ्तार प्रथम भारतीय महिला
- समाज सुधारक व स्वतंत्रता सेनानी
- मद्रास प्रांतीय चुनाव लड़ने वाली प्रथम महिला
- दांडी मार्च के दौरान महिलाओं को समान अवसर और मार्च में उन्हें प्रमुखता से शामिल करने के लिए गांधी जी को सहमत किया
- तत्पश्चात सेवादल से जुड़कर महिला कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया
- 29 अक्टूबर 1988 को निधन

@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

BOC_MIB

Amrit Mahotsav Series #41

#AmritMahotsav

Kamaladevi Chattopadhyay

(3 April 1903 - 29 October 1988)

- First woman to run for a legislative seat in India
- First Indian woman to be arrested by the British regime
- A social reformer and freedom activist
- First woman to contest the Madras provincial elections
- Convinced Gandhiji to give women equal opportunity and to include women in the forefront during the Salt March to Dandi
- Later joined Seva Dal and trained women activists
- Died on 29 October 1988

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

#AmritMahotsav

ब्रह्मबांधव उपाध्याय

(11 फरवरी 1861-27 अक्टूबर 1907)

- 11 फरवरी 1861 को हुगली, पश्चिम बंगाल में जन्म
- पत्रकार और स्वतंत्रता सेनानी जो सुरेंद्रनाथ बनर्जी के माज़िनी, गारिबाल्दि और यंग इटली पर दिये गए भाषणों से अत्यधिक प्रभावित थे
- प्रसिद्ध बंगाली पत्रिका 'संध्या' के संपादक रहे, जिसने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ आवाज़ उठाई
- 'संध्या' पत्रिका पर राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया
- 27 अक्टूबर 1907 को निधन

#AmritMahotsav

Brahma Bandhab Upadhyaya

(11 February 1861 - 27 October 1907)

- Born on 11 February 1861 in Hooghly, West Bengal
- Journalist and freedom fighter and was greatly impressed by the speeches of Surendranath Banerjea on Mazzini, Garibaldi, and Young Italy
- Editor of Sandhya, the famous Bengali daily, which advocated against the colonial rule
- Sandhya was prosecuted for sedition and he was arrested
- Died on 27 October 1907

अमृत महोत्सव श्रृंखला

#AmritMahotsav

मदन लाल ढींगरा

(18 सितम्बर 1887- 17 अगस्त 1909)

- **18 सितम्बर 1887 को अमृतसर में जन्म**
- **देशभक्त और स्वतंत्रता सेनानी, भारत की स्वतंत्रता के लिए ब्रिटेन में क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया**
- **उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन गए, जहाँ वे श्यामजी कृष्ण वर्मा और वीर सावरकर के संपर्क में आए**
- **लंदन में 'इंडिया ऑफिस' में राजनीतिक सहायक (ए.डी.सी.) कर्नल विलियम कर्ज़न वायली की गोली मारकर हत्या की**
- **17 अगस्त 1909 को लंदन की पेंटनविले जेल में फांसी दी गयी**

#07

Amrit Mahotsav Series

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

Madan Lal Dhingra

(18 September 1887 — 17 August 1909)

- **Born on 18 September 1887 in Amritsar**
- **Patriot and freedom fighter; took part in revolutionary activities in Britain for the cause of Indian independence**
- **Went to Britain for higher studies, where he came in contact with Shyamji Krishnavarma and Veer Savarkar**
- **Shot dead Col. William Curzon Wyllie, Political A.D.C. in the India Office in London**
- **Sentenced to death; died on the gallows at the Pentonville Prison, London, on August 17, 1909**

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला

जतींद्र नाथ दास

27 अक्टूबर 1904 -13 सितंबर 1929

- 1904 में कलकत्ता (कोलकाता) में जन्म
- प्रेरणादायक स्वतंत्रता सेनानी, मानवाधिकार कार्यकर्ता और उत्साही क्रांतिकारी
- युवावस्था में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के राजनीतिक कैदियों के लिए काम किया
- बंगाल में अनुशीलन समिति के सदस्य रहे
- महात्मा गांधी द्वारा शुरू असहयोग आंदोलन में भाग लिया
- भगत सिंह और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम किया
- राजनीतिक कैदियों के अधिकारों के संरक्षण के लिए लाहौर जेल में 63 दिन के अनशन के बाद 25 साल की उम्र में 13 सितंबर 1929 को शहीद हुए

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series

Jatindra Nath Das

27 October 1904 – 13 September 1929

- Born in Calcutta (Kolkata) in 1904
- An inspirational freedom fighter, human rights activist and a fervent revolutionary
- At a very young age, worked for the cause of political prisoners in the Indian freedom movement
- A member of the Anushilan Samiti in Bengal
- Participated in the Non-Cooperation movement launched by Mahatma Gandhi
- Collaborated with Bhagat Singh and other members from the Hindustan Socialist Republican Association
- Attained martyrdom on 13 Sep 1929 at the age of 25 years after a 63-day-long fast at Lahore Jail for protecting the rights of political prisoners

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला

पेरियार ई. वी. रामासामी

(17 सितंबर 1879- 24 दिसंबर 1973)

- 17 सितंबर 1879 को इरोड (तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी का हिस्सा) में जन्म
- थंथाई पेरियार (वरिष्ठ और अति सम्माननीय नेता) के रूप में जाने गए
- प्रख्यात समाज सुधारक और तर्कवादी, समतावाद और आत्मसम्मान के सिद्धांत के समर्थक
- समाज में पिछड़ी जातियों और महिलाओं के समान अधिकारों के लिए तमिलनाडु में 'आत्म-सम्मान आंदोलन' की शुरुआत की
- अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव के विरुद्ध पूर्ववर्ती त्रावणकोर प्रांत में वाईकूम सत्याग्रह में भाग लिया
- जस्टिस पार्टी के नेता चुने गए जिसका नाम उन्होंने बाद में परिवर्तित कर द्रविदर कड़गम (द्रविड़ियन पार्टी) रखा

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

Periyar E.V. Ramasamy

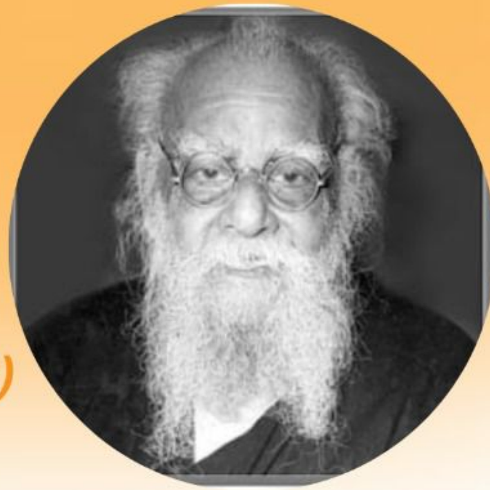

(17 September 1879 – 24 December 1973)

- **Born on 17 September 1879 in Erode (then a part of Madras Presidency)**
- **Known as Thanthai Periyar - elderly and most revered leader**
- **Eminent social reformer and rationalist, espoused the principles of egalitarianism and self-respect**
- **Started the 'Self-Respect Movement' in Tamil Nadu for equal rights of backward castes and women in society**
- **Participated in the Vaikom Satyagraha in erstwhile Travancore province against untouchability and caste discrimination**
- **Elected as a leader of the Justice Party which he renamed later as Dravidar Kazhagam (Dravidian Party)**

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला

कनकलता बरूआ

(22 दिसंबर 1924 - 20 सितंबर 1942)

- 22 दिसंबर 1924 को गोहपुर, असम में जन्मी एक निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान वह गोहपुर जिले के युवाओं के समूहों से बने मौत के दस्ते 'मृत्यु वाहिनी' का हिस्सा थीं
- 20 सितंबर 1942 को एक पुलिस थाने में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के दृढ़ संकल्पित प्रयास के दौरान गोली लगने से शहीद हुईं
- 'असम की 17 वर्षीय शहीद' के रूप में लोकप्रिय हुईं

#08

Amrit Mahotsav Series

#AmritMahotsav

Kanaklata Barua

(22 December 1924 – 20 September 1942)

- **An Indian independence activist born on 22 December 1924 in Gohpur, Assam**
- **She was a part of the Mrityu Bahini, a death squad comprising groups of youth from the Gohpur district, during the Quit India Movement**
- **Attained martyrdom on 20 September, 1942 when she courageously faced bullets while making a fiercely determined effort to hoist the national flag on a police station**
- **Popularly known as the '17-year-old martyr of Assam'**

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

@BOC_MIB

BOC_MIB

गांधी जी का अपनी पोशाक बदलने का ऐतिहासिक निर्णय

(22 सितंबर 1921)

गांधी पोट्टल (मदुरै) पर लगी उनकी मूर्ति

- 22 सितंबर 1921 को पारंपरिक गुजराती पोशाक को त्याग कर साधारण धोती और गमछा को अपनी पोशाक बनाया।
- गांधी जी ने गरीब जनता के साथ जुड़े रहने के लिए नई पोशाक चुनी।
- गांधी पोट्टल, मदुरैः नई वेशभूषा में जनता के बीच पहली बार उपस्थित हुए।
- विदेश यात्राओं तथा जीवन के अंतिम क्षण तक भी इसी पोशाक में रहे।

#AmritMahotsav

Gandhiji's Momentous Decision of Changing his Attire

(22 September 1921)

Statue at Gandhi Pottal

- **Transformed from an elaborate Gujarati attire to a simple loincloth on 22 September 1921**
- **Gandhiji chose this attire to identify himself with the poor masses**
- **Gandhi Pottal, Madurai: His first public appearance in the new loincloth attire**
- **Stuck to this dress code even on his trips abroad and until his very last moment**

राव तुला राम

(9 दिसंबर 1825 - 23 सितंबर 1863)

- 9 दिसंबर 1825 को जन्म
- हरियाणा के रेवाड़ी के मुखिया रहे
- 1857 में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
- 1857 के बाद, भारत छोड़कर गए और भारत की आज़ादी में मदद हेतु ईरान और अफगानिस्तान के शासकों से मिले
- काबुल, अफगानिस्तान में बीमार पड़े और 23 सितंबर 1863 को उनकी मृत्यु हुई
- अफगान सरकार ने उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया तथा उनकी स्मृति में स्मारक बनाया

Amrit Mahotsav Series #10

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

Rao Tula Ram

(9 December 1825 - 23 September 1863)

- Born on 9 December 1825
- Was the Chieftain of Rewari in Haryana
- Played a prominent role in the First War of Independence against the British rule in 1857
- After 1857, left India and met rulers of Iran and Afghanistan to seek their support for India's independence movement
- Fell sick while he was in Afghanistan and died on 23 September 1863 in Kabul
- The Afghan Government gave him a State funeral and erected a memorial for him

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #11

प्रीतिलता वाद्देदार

(5 मई 1911 - 24 सितंबर 1932)

- चटगाँव, बंगाल (अब बांग्लादेश में) में 5 मई 1911 को जन्मी एक स्वतंत्रता सेनानी
- महान स्वतंत्रता सेनानी सूर्य सेन की अध्यक्षता वाले क्रांतिकारी समूह में शामिल हुईं
- ब्रिटिश वर्चस्व के प्रतीक पहाड़तली यूरोपियन क्लब, चटगाँव– पर हमले के लिए एक समूह का नेतृत्व किया
- हमले के दौरान भीषण गोलीबारी में उनके पैर में गोली लगी
- गिरफ्तारी से बचने के लिए जहर खाया, 24 सितंबर 1932 को उनकी मृत्यु हुई

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #11

Pritilata Waddedar

(5 May 1911 - 24 September 1932)

- An Independence activist born on 5 May 1911 in Chittagong, Bengal (now in Bangladesh)
- Joined a freedom fighter group headed by Surya Sen
- Led a team to attack Pahartali European Club, Chittagong - which symbolised the British supremacy
- Was shot in her leg ensuing a fierce gun battle during the attack
- Died on 24 September 1932 after consuming poison to avoid getting arrested

अमृत महोत्सव श्रृंखला #12

#AmritMahotsav

पंडित दीनदयाल उपाध्याय

(25 सितंबर 1916 - 11 फरवरी 1968)

- **25 सितंबर 1916 को जन्म**
- **असाधारण अर्थशास्त्री, शिक्षाविद्, लेखक और पत्रकार**
- **राष्ट्र सेवा के उद्देश्य से राजनीति में प्रवेश किया**
- **लोकतंत्र के भारतीय उदारवादी और स्वदेशी स्वरूप को तैयार किया**
- **जिस पार्टी का वे नेतृत्व कर रहे थे उसके लिए प्रभावशाली सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों की रचना की**
- **'एकात्म मानववाद' की अवधारणा का प्रतिपादन किया**
- **'अंत्योदय' का उनका विचार नए भारत की बुनियाद है**
- **11 फरवरी 1968 को उनकी मृत्यु हुई**

#AmritMahotsav

Pandit Deendayal Upadhyay

(25 September 1916 - 11 February 1968)

- **Born on 25 September 1916**
- **Extraordinary economist, educationist, writer and journalist**
- **Entered politics with the aim of serving the nation**
- **Carved out India's liberal and indigenous character of democracy**
- **Formulated effective principles and moral values for the party that he was leading**
- **Ideated the concept of 'Integral Humanism'**
- **His philosophy of Antyodaya forms the basis of New India**
- **Died on 11 February 1968**

#AmritMahotsav

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

(26 सितंबर 1820- 29 जुलाई 1891)

- **26 सितंबर 1820** को पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में जन्म
- समाज सुधारक, लेखक, शिक्षाविद; बंगाल के पुनर्जागरण के स्तंभों में से एक
- बालिकाओं की शिक्षा के लिए अहम योगदान दिया
- उनके अथक प्रयासों से विधवा पुनर्विवाह कानून, 1856 पारित हुआ
- बांग्ला अक्षरों को सरल बनाया, बांग्ला वर्णमाला 'बर्ण परिचय' लिखी
- ज्ञान के कारण उन्हें 'विद्यासागर' की उपाधि मिली

Amrit Mahotsav Series #13

#AmritMahotsav

Ishwar Chandra Vidyasagar

(26 September 1820 - 29 July 1891)

- Born on 26 September 1820 in Midnapore district, West Bengal
- Social reformer, writer, educationist; a pillar of the Bengal Renaissance
- Championed the cause of education, especially for girls
- Successfully campaigned to legalise remarriage of widows
- His efforts resulted in the passage of the Widow Remarriage Act, 1856
- Reconstructed the Bengali alphabet; wrote the Bengali primer 'Barna Parichay'
- Earned the title of 'Vidyasagar' or 'Ocean of Knowledge' for his vast learning

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #15

भगत सिंह

(28 सितंबर 1907 - 23 मार्च 1931)

- **28 सितंबर 1907 को पंजाब के लयालपुर जिले (अब पाकिस्तान में) में जन्म**
- **नौजवान भारत सभा और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के संस्थापकों में शामिल**
- **लाला लाजपत राय पर हमले के बाद सहायक पुलिस अधीक्षक जे.पी. सांडर्स की गोली मारकर हत्या की**
- **व्यापार विवाद विधेयक और जन सुरक्षा विधेयक को पारित करने के विरोध में 1929 में दिल्ली की सेंट्रल लेजिसलेटिव असेंबली में बम विस्फोट किया**
- **इस विस्फोट का उद्देश्य किसी को क्षति पहुँचाना नहीं, बल्कि अपनी बात सरकार तक पहुँचाना था**
- **सुखदेव थापर और शिवराम हरि राजगुरु के साथ फांसी की सजा मिली**
- **23 मार्च 1931 को लाहौर सेंट्रल जेल में देश के लिए प्राणों का बलिदान दिया**

Amrit Mahotsav Series #15

#AmritMahotsav

Bhagat Singh

(28 September 1907 - 23 March 1931)

- **Born on 28 September 1907 in Lyallpur district, Punjab (now in Pakistan)**
- **One of the founders of Naujawan Bharat Sabha & Hindustan Socialist Republican Association**
- **Shot dead J.P. Saunders, Assistant Suptd. of Police, for the assault on Lala Lajpat Rai**
- **Caused a bomb explosion in the Central Legislative Assembly in Delhi in 1929 to protest the passing of the Trade Disputes Bill & Public Safety Bill**
- **His aim behind the harmless explosion was to "make the deaf hear"**
- **Sentenced to death along with comrades Sukhdev Thapar & Shivaram Hari Rajguru**
- **Died fearlessly on the gallows in Lahore Central Jail on 23 March, 1931**

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #14

राजा राममोहन राय

(22 मई 1772 - 27 सितंबर 1833)

- समाज सुधारक, शिक्षाविद, पत्रकार, बहुभाषाविद
- भारतीय पुनर्जागरण के अग्रणी व्यक्ति
- सती प्रथा के उन्मूलन में योगदान के लिए जाने जाते हैं
- बहुविवाह, बाल विवाह और जाति प्रथा के कड़े विरोधी
- सभी धर्मों की एकता में विश्वास रखने वाले ब्रह्म समाज की स्थापना की
- 27 सितंबर 1833 को उनका निधन हुआ

@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

BOC_MIB

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #14

Raja Ram Mohan Roy

(22 May 1772 - 27 September 1833)

- Social reformer, educationist, journalist, polyglot
- Pioneer of the Indian Renaissance
- Widely known for his role in abolishing the practice of 'Sati'
- Staunchly opposed polygamy, child marriage and caste system
- Founded the Brahmo Samaj, which believed in unity of all religions
- Passed away on 27 September 1833

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

अमृत महोत्सव श्रृंखला #16

#AmritMahotsav

'कामागाटा मारू' घटना

29 सितंबर 1914

अप्रैल 1914 में, बाबा गुरदित्त सिंह के नेतृत्व में पंजाब के 376 यात्रियों के साथ एक जापानी समुद्री जहाज 'कामागाटा मारू' हांगकांग से रवाना हुआ था। ब्रिटिश अधिकारियों ने यात्रियों को कनाडा के वैंकूवर में उतरने नहीं दिया। मजबूरी में वापस लौटा 'कामागाटा मारू' सितंबर में कलकत्ता के बजबज पर पहुंचा। वहां 29 सितंबर 1914 को पुलिस के साथ हिंसक झड़प में 19 यात्रियों की गोली लगने से मौत हो गई। 'कामागाटा मारू' घटना ने गदर आंदोलन के उदय में उत्प्रेरक का काम किया।

Amrit Mahotsav Series #16

#AmritMahotsav

'Komagata Maru' Incident

29 September 1914

In April 1914, 376 passengers from Punjab, led by Baba Gurdit Singh, sailed from Hong Kong on 'Komagata Maru', a Japanese steamship. British authorities did not permit them to deboard at their destination in Vancouver, Canada. Forced to return, Komagata Maru arrived at Budge Budge, Calcutta, in September. A violent confrontation with the police on 29 September 1914 resulted in 19 passengers being killed in firing. The Komagata Maru incident served as a catalyst for the rise of the Ghadr Movement.

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

#AmritMahotsav

एनी बेसेंट

(1 अक्टूबर 1847 - 20 सितम्बर 1933)

- 1 अक्टूबर 1847 को लंदन, यूनाइटेड किंगडम में जन्म
- ब्रह्मविद्यावादी, महिला अधिकार कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, लेखक, भारत के स्वराज की पक्षधर
- अडयार, मद्रास में मुख्यालय वाली थियोसोफिकल सोसायटी की अध्यक्ष रहीं
- लोकमान्य तिलक के साथ 1916 में स्वराज के लिए होम रूल लीग आंदोलन शुरू किया
- 1917 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष बनीं
- बनारस (वाराणसी) में सेंट्रल हिंदू कॉलेज की स्थापना की
- भारत में स्काउट आंदोलन की शुरुआत की

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series # 17

Annie Besant

(1 October 1847 - 20 September 1933)

- **Born on 1 October, 1847 in London, United Kingdom**
- **Theosophist, women's rights activist, educationist, writer, champion of Indian self-rule**
- **President of the Theosophical Society headquartered in Adyar, Madras**
- **Launched the Home Rule League movement for Swaraj in 1916 with Lokmanya Tilak**
- **Became the first woman President of the Indian National Congress in 1917**
- **Established the Central Hindu College in Banaras (Varanasi)**
- **Founded the Scout Movement in India**

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #18

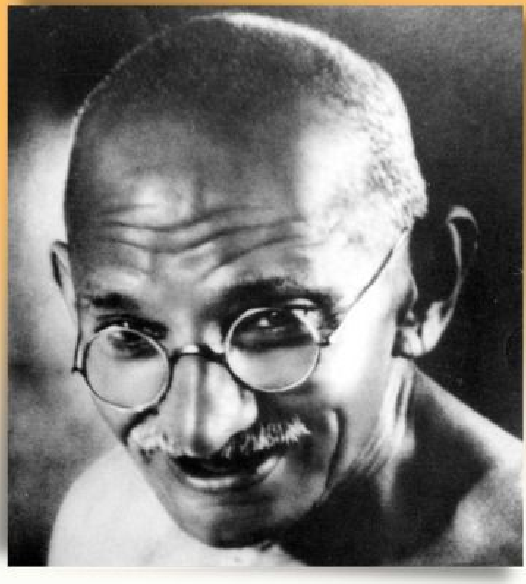

मोहनदास करमचंद गांधी

(2 अक्टूबर 1869 - 30 जनवरी 1948)

- **2 अक्टूबर 1869** को गुजरात के पोरबंदर में जन्म
- दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए 'सत्याग्रह' को शांतिपूर्ण विरोध के शस्त्र के रूप में उपयोग किया
- रॉलेट सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किया, स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने के लिए जनता को प्रेरित किया
- भारत छोड़ो आंदोलन में देशवासियों में 'करो या मरो' की भावना पैदा की
- छुआछूत के विरुद्ध अभियान के लिए खुद को समर्पित किया
- स्वच्छता और आत्मनिर्भरता के महत्व को उदाहरण द्वारा दर्शाया
- 'महात्मा', 'बापू' तथा 'राष्ट्रपिता' उपनामों से जाने गए

Amrit Mahotsav Series #18

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

Mohandas Karamchand Gandhi

(2 October 1869- 30 January 1948)

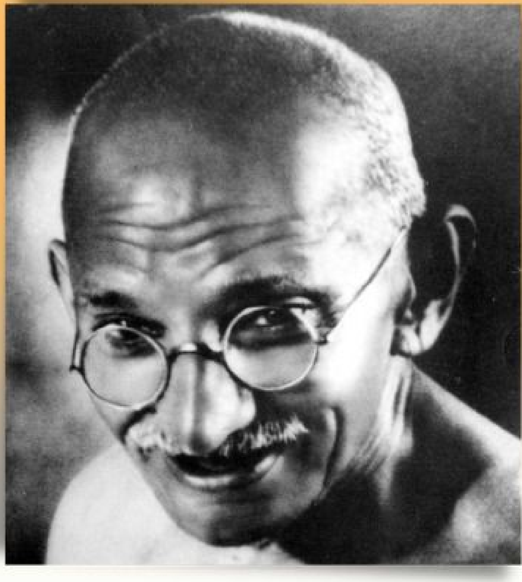

- **Born on 2 October 1869 at Porbandar, Gujarat**
- **Moulded 'Satyagraha' into a weapon of peaceful resistance while in South Africa**
- **Led the Rowlatt Satyagraha, Non-Cooperation Movement and Civil Disobedience Movement among others; brought the masses into the national movement for freedom**
- **Exhorted the nation to 'Do or Die' during the Quit India Movement**
- **Devoted himself to a campaign against untouchability**
- **Demonstrated, by example, the importance of Swachhata and Self-Reliance**
- **Bestowed with the monikers 'Mahatma', 'Bapu' and 'Father of the Nation'**

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

अमृत महोत्सव श्रृंखला #19

#AmritMahotsav

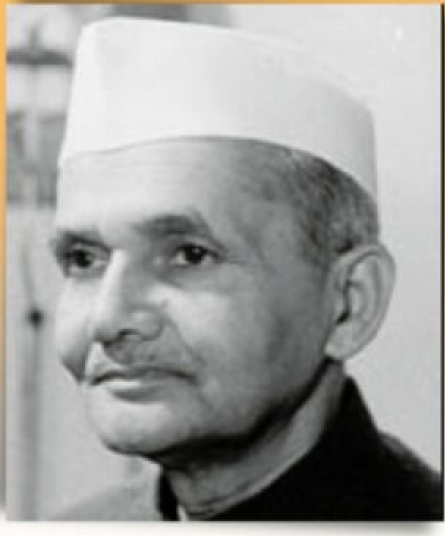

लाल बहादुर शास्त्री

(2 अक्टूबर 1904-11 जनवरी 1966)

- **2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्म**
- **भारत के दूसरे प्रधानमंत्री (1964-1966)**
- **गांधी जी के आह्वान पर असहयोग आंदोलन में शामिल होने के लिए पढ़ाई छोड़ी, बाद में वाराणसी के काशी विद्यापीठ में दाखिला लिया**
- **स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख राष्ट्रवादियों में से एक; ब्रिटिश जेलों में 7 साल बिताए**
- **प्रधानमंत्री बनने से पहले रेल, परिवहन और संचार, वाणिज्य व उद्योग और गृह जैसे अहम मंत्रालय संभाले**
- **रेल मंत्री के रूप में पारदर्शिता की मिसाल कायम की थी**
- **1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारत का नेतृत्व किया, "जय जवान, जय किसान" का अविस्मरणीय नारा दिया**

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #19

Lal Bahadur Shastri

(2 October 1904- 11 January 1966)

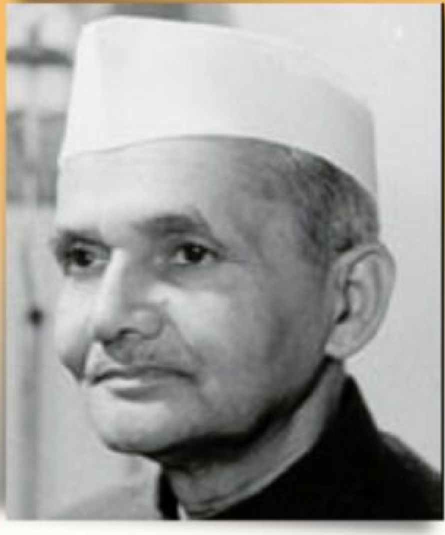

- Born on 2 October 1904 at Mughalsarai, Uttar Pradesh
- Second Prime Minister of India (1964-1966)
- Gave up his studies in response to the Mahatma's call for Non-Cooperation; later joined the Kashi Vidya Peeth in Varanasi
- Prominent nationalist of the freedom movement; spent a total of 7 years in British jails
- Held several key portfolios in the Union Cabinet, including Railways, Transport and Communications, Commerce and Industry, Home
- Set the highest standards of transparency as the Minister for Railways
- Led India during the Indo-Pakistan War of 1965, immortalized the slogan "Jai Jawan, Jai Kisan"

अमृत महोत्सव श्रृंखला #20

#AmritMahotsav

कादम्बिनी गांगुली

18 जुलाई 1861 - 3 अक्टूबर 1923

- बिहार के भागलपुर में 18 जुलाई 1861 को जन्म
- कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने वाली पहली महिला
- पूरे दक्षिण एशिया में पश्चिमी चिकित्सा की पहली महिला डॉक्टर
- महिलाओं के उत्थान और नारी शिक्षा के लिए बहुत काम किया
- समाज सुधार आंदोलनों में सक्रियता से भागीदारी की
- 3 अक्टूबर 1923 को निधन हुआ

Amrit Mahotsav Series #20

#AmritMahotsav

Kadambini Ganguly

(18 July 1861 - 3 October 1923)

- Born on 18 July 1861 in Bhagalpur, Bihar
- The first woman to get admission in Calcutta Medical College
- First female practitioner of western medicine in the whole of South Asia
- Worked relentlessly for the upliftment of women and promoted female education
- Actively participated in social reform movements
- Died on 3 October 1923

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #21

श्यामजी कृष्ण वर्मा

(4 अक्टूबर 1857 - 30 मार्च 1930)

- 4 अक्टूबर 1857 को आज के गुजरात में जन्म
- पेशे से अधिवक्ता और पत्रकार थे तथा संस्कृत भाषा के विशेषज्ञ थे
- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड में संस्कृत की शिक्षा दी
- इंडिया हाउस, इंडियन होम रूल सोसायटी और द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट पत्रिका की स्थापना की
- ब्रिटेन में युवाओं को भारत के औपनिवेशिक प्रशासन के खिलाफ खड़ा होने के लिए प्रेरित किया
- बंबई आर्य समाज के पहले अध्यक्ष
- वीर सावरकर, मदन लाल ढींगरा और लाला हरदयाल उनसे बहुत प्रेरित थे
- 30 मार्च 1930 को जिनेवा, स्विट्जरलैंड में निधन
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री) 2003 में उनकी अस्थियां जिनेवा से भारत वापस लाए

@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

BOC_MIB

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #21

Shyamji Krishna Verma

(4 October 1857 - 30 March 1930)

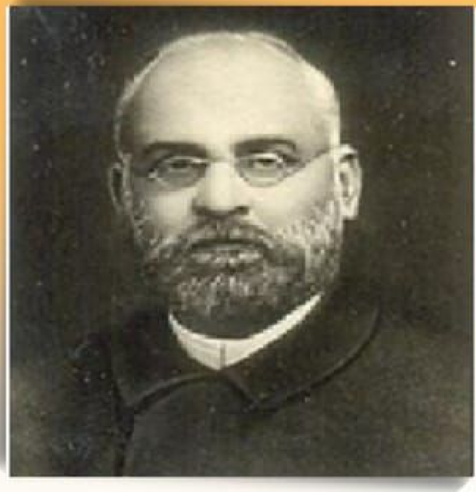

- **Born on 4 October 1857 in modern-day Gujarat**
- **Lawyer and journalist by profession and an expert in Sanskrit language**
- **Taught Sanskrit at the Oxford University, England**
- **Founded India House & Indian Home Rule Society and The Indian Sociologist journal**
- **Worked towards inspiring youngsters in Britain to stand up against the colonial administration in India**
- **First President of Bombay Arya Samaj**
- **Veer Savarkar, Madan Lal Dhingra and Lala Hardayal were deeply influenced by him**
- **Died on 30 March 1930 in Geneva, Switzerland**
- **PM Narendra Modi (then Gujarat CM) brought his ashes back from Geneva to India in 2003**

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #22

Baji Rout

(5 October 1926 - 11 October 1938)

- Youngest Indian freedom fighter born on 5 October 1926 in Dhenkanal, Odisha
- An active member of Banar Sena (composed of young children) of the Prajamandal
- Boat boy who had volunteered to keep watch by the river at night
- Shot by British police when he refused to ferry them across the Brahmani River
- Martyred on 11 October 1938 at the age of 12

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #22

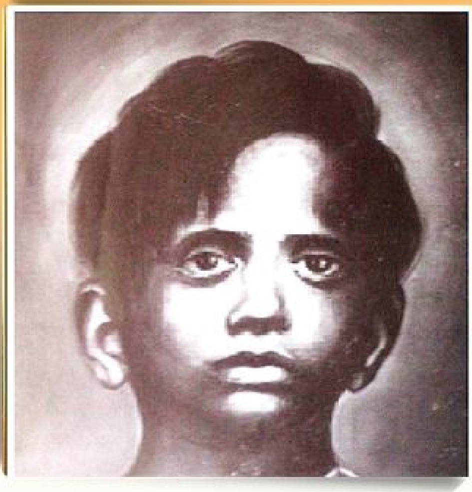

बाजी राउत

(5 अक्टूबर 1926 - 11 अक्टूबर 1938)

- ढेंकानाल, ओडिशा में **5 अक्टूबर 1926** को भारत के सबसे छोटे स्वतंत्रता सेनानी का जन्म
- प्रजामंडल की वानर सेना (किशोरों का संगठन) के सक्रिय सदस्य
- प्रजामंडल के कार्यकर्ताओं के कहने पर ब्राह्मणी नदी किनारे रात को पहरा देते थे बाजी
- नदी पार कराने से इनकार करने पर ब्रिटिश पुलिसकर्मी द्वारा गोली मारी गई
- 11 अक्टूबर 1938 को 12 साल की उम्र में शहीद हुए

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #24

के. केलप्पन

(24 अगस्त 1889- 7 अक्तूबर 1971)

- 24 अगस्त 1889 को केरल के कालीकट के एक छोटे से गाँव में जन्म
- समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और पत्रकार
- समाज के शोषित वर्ग के उत्थान और अस्पृश्यता उन्मूलन के लिए काम किया
- वायकोम सत्याग्रह और गुरुवैयुर सत्याग्रह में प्रमुख भूमिका निभाई
- केरल से सत्याग्रह में भाग लेने वाले प्रथम सत्याग्रही- व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन
- केरल के लोगों को उनके माध्यम से वास्तविक रूप में गांधीवादी आदर्शों के बारे में पता चला
- उनके मनोभाव और गैर-टकराववादी दृष्टिकोण के कारण उन्हें केरल गांधी नाम मिला
- एक आदर्श सत्याग्रही, जिसने पायनूर और कालीकट नमक सत्याग्रह का नेतृत्व किया
- 7 अक्तूबर 1971 को निधन

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #24

K. Kelappan

(24 August 1889 - 7 October 1971)

- Born on 24 August 1889 in a small village in Calicut, Kerala
- Reformer, freedom fighter, educationist and journalist
- Worked for the downtrodden and abolition of untouchability
- Played a prominent role in the Vaikom Satyagraha and Guruvayoor Satyagraha
- Participated in the first Satyagrahi from Kerala - The Individual Satyagraha Movement
- The people of Kerala came to know of Gandhian ideals essentially through him
- His attitude and non-confrontational approach earned him the name Kerala Gandhi
- An ideal Satyagrahi, who led the Payyanur and Calicut Salt Satyagraha
- Died on 7 October 1971

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

अमृत महोत्सव श्रृंखला #25

#AmritMahotsav

भारतीय वायु सेना का जन्म

8 अक्टूबर 1932

भारतीय वायु सेना का आधिकारिक तौर पर गठन 8 अक्टूबर 1932 को हुआ था। इसे यूनाइटेड किंगडम की रॉयल एयर फोर्स की एक सहायक इकाई के रूप में स्थापित किया गया था। छह आरएएफ प्रशिक्षित अधिकारी और 19 हवाई सिपाही के साथ पहली उड़ान 1 अप्रैल 1933 को कराची की ड्रिघ रोड पर भरी गयी और इसमें 4 वेस्टलैंड वापिटि आईआईए बायप्लेन शामिल थे। पहली तीन फ्लाइट (ए, बी, सी) जून 1938 में नंबर वन स्क्वायड नाम के तौर पर शामिल हुई। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सेवाओं के सम्मान स्वरूप, भारतीय वायु सेना को 1945 से 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' कहा जाने लगा। 1950 में भारत के गणराज्य बनने के बाद, नाम में से 'रॉयल' हटा दिया गया और इसे भारतीय वायु सेना नाम से जाना गया। 1 अप्रैल 1954 को भारतीय वायु सेना के संस्थापक सदस्यों में से एक एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी भारतीय वायु सेना के पहले अध्यक्ष बने ।

@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

BOC_MIB

Amrit Mahotsav Series #25

#AmritMahotsav

Birth of the Indian Air Force

8 October 1932

The Indian Air Force was officially established on 8 October 1932. It was set up as an auxiliary unit of the Royal Air Force of the United Kingdom. The first flight came into being on 1 April 1933 with 6 RAF trained officers, 19 Havai Sepoys & equipped with 4 Westland Wapiti IIA biplanes at Drigh Road, Karachi. The first 3 flights (A, B & C) were integrated as No. 1 Sqn in June 1938. In recognition of services rendered during World War II, the IAF came to be called the Royal Indian Air Force in 1945. As India became a Republic in 1950, the prefix 'Royal' was dropped & the Force became the Indian Air Force. On 1 April 1954 Air Marshal Subroto Mukerjee, one of the founding members of the IAF became its first Indian Chief of Air Staff.

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #27

ब्रिटिश मिलिट्री ट्रेन घटना

10 अक्टूबर 1942

10 अक्टूबर 1942 की सुबह असम के सरूपथर रेलवे स्टेशन के पास ब्रिटिश मिलिट्री की एक ट्रेन पटरी से उतर गई थी। असम के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी कुशल कोंवर को इस घटना में संदिग्ध रूप से शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। कुशल कोंवर सरूपथर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे। उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया। 16 जून 1943 को भारत छोड़ो आंदोलन के अंतिम दौर में फांसी की सजा पाने वाले वह एकमात्र शहीद थे।

Amrit Mahotsav Series #27

#AmritMahotsav

Derailment of British Military Train

10 October, 1942

In the early morning of 10 October, 1942, a British military train was derailed near the Sarupathar railway station in Assam. Kushal Konwar, a prominent freedom fighter from Assam, was arrested by the British on suspicion of his involvement in the incident. Kushal Konwar was the President of the Sarupathar Congress Committee. He took part in the Civil Disobedience Movement and in the Quit India Movement. On 16 June 1943, he became the only martyr to be hanged in the last phase of the Quit India movement.

.

उत्कलमणि गोपबंधु दास

(9 अक्टूबर 1877 - 17 जून 1928)

- **9 अक्टूबर 1877 को जन्म, उत्कलमणि या ओडिशा के रत्न के रूप में जाना जाता है**
- **सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, निबंधकार, कवि और समाज सुधारक**
- **असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया**
- **उनके प्रयासों के कारण गांधीजी ने ओडिशा का दौरा किया और उसके बाद ओडिशा के लोग असहयोग आंदोलन में शामिल हुए**
- **नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने उन्हें ओडिशा के राष्ट्रीय आंदोलन का जनक बताया**
- **स्वयंसेवी संगठन पुरी सेवा समिति गठित की जिसने हैजा पीड़ितों की मदद की**
- **बाद में, इन पीड़ितों के लिए जिले में एक अलग अस्पताल की स्थापना की गई**
- **17 जून 1928 को निधन**

Amrit Mahotsav Series #26

#AmritMahotsav

Utkalamani Gopabandhu Das

(9 October 1877 - 17 June 1928)

- **Known as Utkalamani or the Jewel of Utkal or Odisha was born on 9 October 1877**
- **An activist, journalist, essayist, poet, reformer, and social worker**
- **Actively participated in the Non-Cooperation Movement**
- **His efforts led Gandhiji to visit Odisha and thereafter people of Odisha joined the Non-Cooperation Movement**
- **Netaji Subhas Chandra Bose referred to him as the father of the National movement in Odisha**
- **Started Puri Seva Samiti, a voluntary organization that helped cholera victims**
- **Later, this led to the setting up of a separate hospital in the district for the victims**
- **Died on 17 June 1928**

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #28

जयप्रकाश नारायण

(11 अक्टूबर 1902- 8 अक्टूबर 1979)

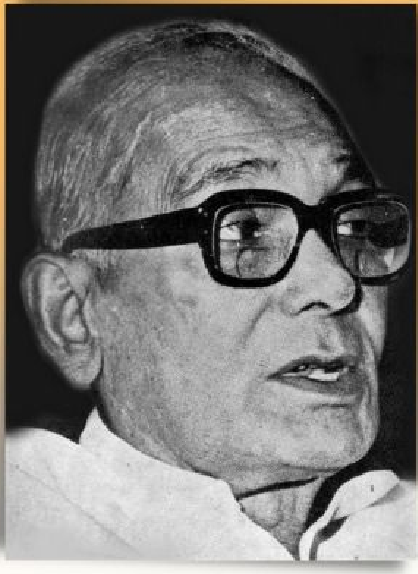

- आज के बिहार के सारण जिले में 11 अक्टूबर 1902 को जन्म
- राष्ट्रवादी और राजनेता, 'जेपी' नाम से मशहूर, 'लोकनायक' उपाधि से नवाजे गए
- सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया
- कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के गठन में प्रमुख भूमिका निभाई
- दलगत राजनीति छोड़ने का फैसला किया और अपना जीवन विनोबा भावे के सर्वोदय आंदोलन को दिया
- सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार में एक जन आंदोलन शुरू किया और संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया, 25 जून 1975 को आपातकाल घोषित होने के बाद गिरफ्तार हुए
- आपातकाल के खिलाफ उनकी सफल लड़ाई से 1977 में पहली गैर कांग्रेसी सरकार केंद्र में सत्ता में आई
- 8 अक्टूबर 1979 को निधन, मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित हुए

@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

BOC_MIB

Amrit Mahotsav Series #28

#AmritMahotsav

Jayaprakash Narayan

(11 October 1902 – 8 October 1979)

- Born on 11 October 1902 in Saran district in present-day Bihar
- Nationalist & political leader, popularly known as 'JP'; bestowed with the epithet 'Loknayak'
- Participated in the Civil Disobedience and Quit India Movements
- Took a leading part in the formation of the Congress Socialist Party
- Decided to leave party politics & devote his life exclusively to Vinoba Bhave's Sarvodaya Movement
- Launched a mass movement in Bihar against corruption in public life and called for Total Revolution or 'Sampoorna Kranti'; was arrested after declaration of Emergency on 25 June 1975
- His successful fight against Emergency brought to power the first non-Congress government at the Centre in 1977
- Passed away on 8 October 1979; posthumously awarded the Bharat Ratna

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #30

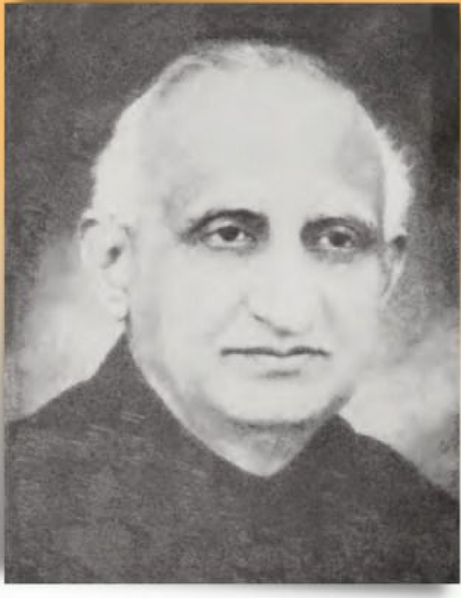

Bhulabhai Desai

(13 October 1877 - 6 May 1946)

- **Born on 13 October 1877 in Valsad, Gujarat**
- **Indian independence activist and acclaimed lawyer**
- **Began his political career with the Home Rule League Movement**
- **At Gandhiji's request, ably represented the cause of Gujarat farmers in the inquiry by the British Government following the Bardoli Satyagraha in 1928**
- **Was elected to the Central Legislative Assembly**
- **Known for his stirring defense of three INA soldiers under trial at the Red Fort; his historic speech for the defence was delievred over several days, without the assistance of any notes**

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

अमृत महोत्सव श्रृंखला #30

#AmritMahotsav

भूलाभाई देसाई

(13 अक्टूबर 1877 - 6 मई 1946)

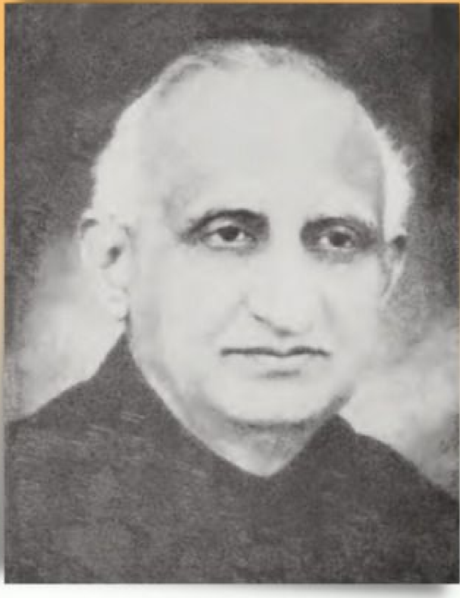

- 13 अक्टूबर 1877 को वलसाड, गुजरात में जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी और प्रशंसित वकील
- होम रूल लीग आंदोलन के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की
- गांधीजी के अनुरोध पर, 1928 में बारदोली सत्याग्रह के बाद ब्रिटिश सरकार द्वारा की गई जांच में गुजरात के किसानों के पक्ष का निपुणतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया
- केंद्रीय विधान सभा के लिए चुने गए
- लाल किले में सुनवाई के दौरान आजाद हिंद फौज के तीन सैनिकों के अतिउत्साही बचाव के लिए जाना जाता है; बचाव पक्ष की ओर से उनका ऐतिहासिक भाषण कई दिनों तक बिना नोट के जारी रहा था

अमृत महोत्सव श्रृंखला #29

#AmritMahotsav

राम मनोहर लोहिया

(23 मार्च 1910 - 12 अक्टूबर 1967)

- उत्तर प्रदेश के फैजाबाद जिले में 23 मार्च 1910 को जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता, बहुमुखी लेखक
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अंतर्गत बने कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से एक
- 1936 में कांग्रेस पार्टी के विदेश मामलों के विभाग के सचिव;
- भारत की विदेश नीति के निर्माण में मदद की
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान एक भूमिगत रेडियो स्टेशन स्थापित किया
- सामाजिक समानता के अथक समर्थक
- 12 अक्टूबर 1967 को निधन

Amrit Mahotsav Series #29

#AmritMahotsav

Ram Manohar Lohia

(23 March 1910 - 12 October 1967)

- **Born on 23 March 1910 in Faizabad district of Uttar Pradesh**
- **Indian independence activist, political leader, prolific writer**
- **One of the founders of the Congress Socialist Party within the Indian National Congress**
- **Secretary of the Foreign Affairs Department of the Congress Party in 1936; helped in laying the foundations of India's foreign policy**
- **Established an underground radio station during the Quit India Movement**
- **Untiring champion of social equality**
- **Passed away on 12 October 1967**

अमृत महोत्सव श्रृंखला #31

#AmritMahotsav

लाला हर दयाल

(14 अक्तूबर 1884- 4 मार्च 1939)

- **14 अक्तूबर 1884 को दिल्ली में जन्म**
- **स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, बहुशास्त्र-ज्ञानी**
- **स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रख्यात ऑक्सफोर्ड की 2 छात्रवृत्तियों को ठुकरा दिया तथा भारतीय सिविल सर्विस की नौकरी की संभावना को समाप्त कर दिया**
- **गदर पार्टी के मार्गदर्शक**
- **प्रवासी भारतीयों को एकत्रित किया और स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया**
- **4 मार्च 1939 को उनका निधन हुआ**

Amrit Mahotsav Series #31

#AmritMahotsav

Lala Har Dayal

(14 October 1884 - 4 March 1939)

- **Born on 14 October 1884 in Delhi**
- **Indian independence activist, scholar, polymath**
- **Turned down 2 prestigious Oxford scholarships and the prospect of a career in the Indian Civil Services to participate in the freedom struggle**
- **Guiding spirit of the Ghadr Party**
- **Mobilized Indians of the diaspora & encouraged them to be part of the freedom movement**
- **Passed away on 4 March 1939**

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #32

दुर्गावती देवी

(7 अक्टूबर 1907 - 15 अक्टूबर 1999)

- 7 अक्टूबर 1907 को उत्तर प्रदेश में जन्म
- क्रांतिकारी और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य भगवती चरण वोहरा की पत्नी, इसीलिए इस संगठन के सदस्यों ने उन्हें 'दुर्गा भाभी' नाम दिया
- नौजवान भारत सभा की सक्रिय सदस्य
- एच एस आर ए के सदस्यों पर गहरा प्रभाव छोड़ा
- सांडर्स की हत्या के बाद भगत सिंह के लाहौर से भागने में मदद की
- भगत सिंह और उनके साथियों की फांसी के बाद लॉर्ड हैले (पंजाब के पूर्व गवर्नर) की हत्या का फैसला किया; गवर्नर तो बच गए, लेकिन उनके सहयोगी घायल हुए
- 15 अक्टूबर 1999 को उनका निधन हो गया

Amrit Mahotsav Series #32

#AmritMahotsav

Durgawati Devi

(7 October 1907 - 15 October 1999)

- Born on 7 October 1907 in Uttar Pradesh; known as Durga Bhabhi or the 'The Agni of India';
- Active member of the Naujawan Bharat Sabha
- Had a strong influence on members of the Hindustan Socialist Republican Association
- Helped Bhagat Singh escape from Lahore after the Saunders killing
- Decided to kill Lord Hailey (ex-Governor of Punjab) in response to the hanging of Bhagat Singh and his comrades; the Governor escaped, but his aides were injured.
- Wife of revolutionary activist and HSRA member Bhagwati Charan Vohra
- Passed away on 15 October 1999

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #33

वल्लथोल नारायण मेनन

(16 अक्टूबर 1878 - 13 मार्च 1958)

- **16 अक्टूबर 1878** को केरल के मलप्पुरम जिले में जन्म
- मलयालम के 'महाकवि' जिनकी कविताओं में जनमानस के लिए स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी का आह्वान था
- महात्मा गांधी के सम्मान में 'एंटे गुरुनाधन' (मेरे गुरु) लिखी
- राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया
- 1922 में अपनी भारत यात्रा के दौरान प्रिंस ऑफ वेल्स द्वारा उन्हें दिए गए शाही सम्मान को अस्वीकार कर दिया
- शास्त्रीय नृत्य रूप 'कथकली' को पुनर्जीवित करने का श्रेय
- 1954 में पद्मभूषण से सम्मानित

Amrit Mahotsav Series #33

#AmritMahotsav

Vallathol Narayana Menon

(16 October 1878 - 13 March 1958)

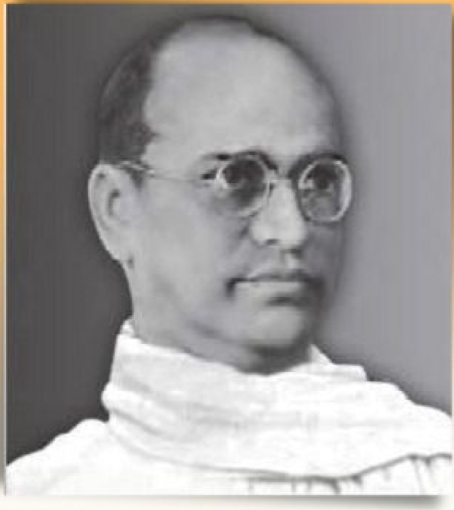

- **Born on 16 October 1878 in Malappuram district, Kerala**
- **The 'Mahakavi' of Malayalam whose poems called for active participation of people in the freedom struggle**
- **Wrote 'Ente Gurunadhan' (My Guru) as a tribute to Mahatma Gandhi**
- **Actively participated in the national movement**
- **Rejected a royal honour bestowed on him by the Prince of Wales during his India visit in 1922**
- **Credited with revitalising the classical dance form Kathakali**
- **Awarded the Padmabhushan in 1954**

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #34

मातंगिनी हाजरा

(19 अक्टूबर 1870-29 सितंबर 1942)

- **19 अक्तूबर 1870 को जन्म**
- **वह भारतीय स्वाधीनता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले क्रांतिकारियों में से एक थीं**
- **उन्होंने असहयोग आंदोलन में भाग लिया और नमक पर से कर हटाये जाने के लिए सविनय अवज्ञा आंदोलन में अपना विरोध प्रकट किया**
- **भारत छोड़ो आंदोलन के छह हज़ार समर्थकों, जिसमें ज़्यादातर महिलाएं थीं, का नेतृत्व किया**
- **अपने जत्थे के साथ पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में शहर के बाहरी इलाके में पहुंचने पर अंग्रेजों ने उनको गोली मार दी**
- **अपने अंतिम समय तक वह वंदे मातरम का उद्घोष करती रहीं**

#AmritMahotsav

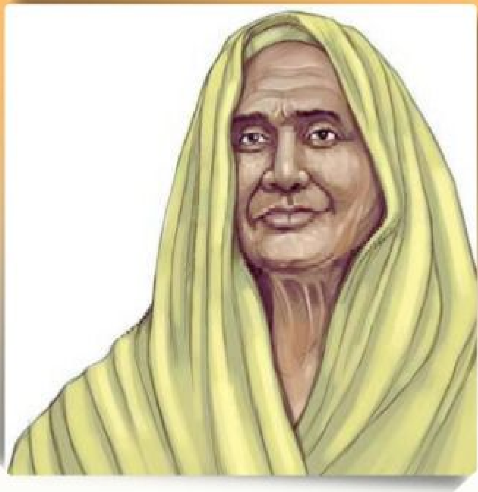

Matangini Hazra

(19 October 1870 - 29 September 1942)

- **Born on 19 October 1870**
- **She was a revolutionary and actively participated in the Indian Independence movement**
- **Took part in Non-Cooperation Movement and protested for the abolition of Salt tax as part of Civil Disobedience movement**
- **Led a procession of six thousand supporters, mostly women, as part of the Quit India Movement**
- **Was shot by the Britishers when the procession reached the outskirts of the town in Midnapore district, West Bengal**
- **Kept chanting Vande Mataram ("hail to the Motherland") during her last moments**

#AmritMahotsav

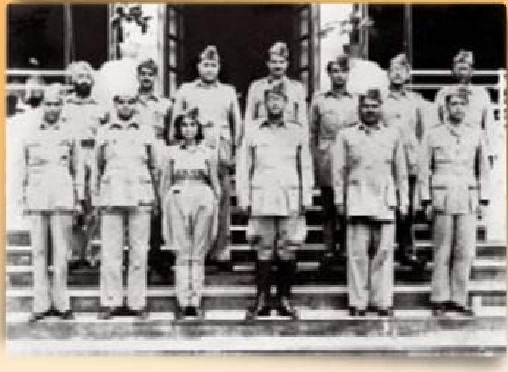

"आजाद हिंद की पहली अंतरिम सरकार" की स्थापना की घोषणा

21 अक्टूबर 1943

21 अक्टूबर 1943 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने राज्य प्रमुख, प्रधानमंत्री और युद्ध मंत्री की जिम्मेदारियों के साथ कैथी थियेटर, सिंगापुर में आजाद हिंद (स्वतंत्र भारत) की अंतरिम सरकार के गठन की घोषणा की थी। जिसने बोस को जापानियों के साथ बराबरी के आधार पर बातचीत करने में सक्षम बनाया । इसने भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) में शामिल होने और इसका समर्थन करने के लिए पूर्वी एशिया में भारतीयों को लामबंद किया।

आजाद हिंद की अंतरिम सरकार के गठन के साथ, भारतीय समुदायों की लामबंदी के लिए सशस्त्र संघर्ष को आगे बढ़ाया गया । मलाया, थाईलैंड और बर्मा से कई भारतीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी । अन्य नागरिकों ने आईएनए फंड में उदारता से पैसे और सोने के रूप में योगदान दिया । बोस की रैलियों और सभाओं में भाग लेने के बाद अमीर भारतीय परिवारों ने बड़ी रकम दान की जबकि महिलाओं ने आसानी से अपने गहनों का त्याग कर सोना दान दिया।

अप्रैल 1944 तक, भारतीय समुदायों से अधिकाधिक दान का प्रबंध करने के लिए रंगून में आजाद हिंद बैंक की स्थापना की गई थी ।

Amrit Mahotsav Series #35

#AmritMahotsav

Announced the Establishment of the "First Provisional Government of AZAD HIND"

21 October 1943

On **21 October 1943**, Netaji Subhas Chandra Bose announced the formation of the Provisional Government of Azad Hind(Free India), at Cathay Theatre(Singapore), with himself as the Head of State, Prime Minister and Minister of War which enabled Bose to negotiate with the Japanese on an equal footing. This facilitated the mobilisation of Indians in East Asia to join and support the Indian National Army(INA).

With the formation of the Provisional Government of Azad Hind, mobilisation of the Indian communities for armed struggle was stepped up. Many Indian civilians from Malaya, Thailand and Burma responded enthusiastically. Others contributed money and gold generously to the INA Fund. The gold came mostly from women who readily gave up their jewellery while wealthy Indian families donated large sums of money after attending Bose's rallies and meetings.

By April 1944, the Azad Hind Bank was established in Rangoon to manage the overwhelming donations from the Indian communities.

अमृत महोत्सव श्रृंखला #36

#AmritMahotsav

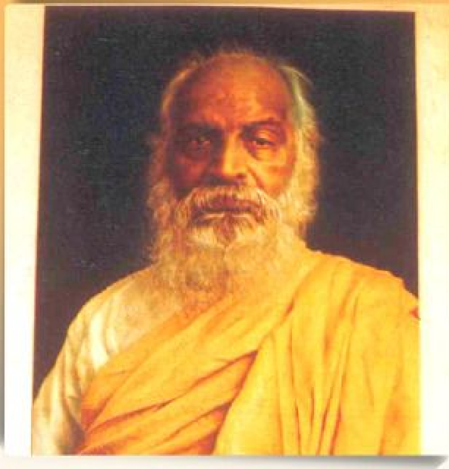

विट्ठलभाई जे. पटेल

(27 सितंबर 1873 - 22 अक्टूबर 1933)

- स्वतंत्रता सेनानी, वकील, देशभक्त, राजनीतिज्ञ, परोपकारी और मानवतावादी
- स्वराज पार्टी के उपनेता
- केंद्रीय विधान सभा के पहले निर्वाचित अध्यक्ष
- अपनी निष्पक्षता, गरिमा और ईमानदारी के लिए चर्चित हुए
- राष्ट्र के प्रति सेवा के पर्याय बने
- विधान सभा के लिए अलग कार्यालय बनाने में सफल रहे
- राष्ट्रहित को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने विधानसभा को मजबूत किया
- 22 अक्टूबर 1933 को जेनेवा में निधन

@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

BOC_MIB

Amrit Mahotsav Series #36

#AmritMahotsav

VITHALBHAI J. PATEL

(27 September 1873 - 22 October 1933)

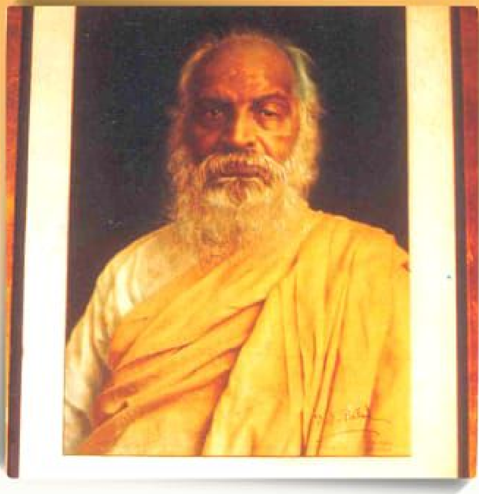

- Freedom fighter, lawyer, patriot, politician, philanthropist and a humanist
- Deputy leader of the Swaraj Party
- First elected President of Central Legislative Assembly
- Known for his impartiality, dignity and uprighteousness
- Succeeded in creating a separate office for the Legislative Assembly
- He strengthened Legislative Assembly as a platform to promote national cause
- Died at Geneva on 22nd October 1933

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #37

अशफाक उल्ला खान

(22 अक्टूबर 1900 - 19 दिसंबर 1927)

- **22 अक्टूबर 1900** को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में जन्म
- ब्रिटिश शासन के खिलाफ राष्ट्रवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे
- हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सह संस्थापक
- मातृवेदी संस्था नाम के क्रांतिकारी संगठन के सदस्य रहे
- काकोरी मेल डकैती कांड में शामिल रहे जिसके लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया
- 19 दिसंबर 1927 को फांसी दी गई

Amrit Mahotsav Series #37

#AmritMahotsav

Ashfaqullah Khan

(22 October 1900 - 19 December 1927)

- Born on 22 October 1900 in Shahjahanpur, Uttar Pradesh
- Took active part in nationalist activities against British rule
- Co-founder of the Hindustan Socialist Republican Association
- Member of the revolutionary organisation called Matrivedi Sanstha
- Participated in the Kakori Mail Dacoity for which he was arrested
- He was hanged on 19 December 1927

लक्ष्मी सहगल

(24 अक्टूबर 1914 - 23 जुलाई 2012)

- **24 अक्टूबर 1914** को चेन्नई में जन्म
- स्वतंत्रता सेनानी, चिकित्सक और भारत में महिला आंदोलन की नेता
- भारतीय सेना की एक अधिकारी जिनका उल्लेख कैप्टन लक्ष्मी के रूप में किया गया
- द्वितीय विश्व युद्ध की अनुभवी सैनिक और बर्मा की जेल में एक कैदी के रूप में सजा काटी
- 'झांसी की रानी रेजिमेंट' नामक एक महिला रेजिमेंट का गठन किया
- यह आजाद हिंद फौज (आईएनए) की महिला विंग थी जिसकी वह कैप्टन थीं

Amrit Mahotsav Series #39

#AmritMahotsav

Lakshmi Sehgal

(24 October 1914 - 23 July 2012)

- **Born on 24 October 1914 in Chennai**
- **Freedom fighter, medical practitioner and leader of the women's movement in India**
- **An officer of the Indian Army who was referred as Captain Lakshmi**
- **Was a World War II veteran and spent time as a prisoner in Burma**
- **Formed a female regiment called 'Rani of Jhansi Regiment'**
- **It was the women's wing of Indian National Army (INA) where she was the Captain**

अमृत महोत्सव श्रृंखला #38

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

'झांसी की रानी रेजिमेंट' के प्रशिक्षण की शुरुआत

23 अक्टूबर 1943

'झांसी की रानी रेजिमेंट' का प्रशिक्षण **23 अक्टूबर 1943** को सिंगापुर में शुरू हुआ था। यह आजाद हिंद फौज (इंडियन नेशनल आर्मी) की महिलाओं की रेजिमेंट थी, जिसका उद्देश्य भारत से औपनिवेशिक ब्रिटिश राज को उखाड़ फेंकना था। इस रेजिमेंट का नाम झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर रखा गया था।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने यह रेजिमेंट बनाने की घोषणा की थी। इसमें शामिल ज्यादातर महिलाएं मलयान रबर एस्टेट की भारतीय मूल की युवा स्वयंसेवक थीं। इनमें से बहुत कम महिलाएं अपने जीवन में कभी भारत जा पाई थीं। शुरुआत में बल ने करीब 170 कैडेट्स के साथ सिंगापुर में अपना प्रशिक्षण शिविर स्थापित किया था। कैडेट्स को उनकी शिक्षा के अनुसार रैंक दी गयी थी। बाद में, रंगून और बैंकॉक में शिविर स्थापित किये गए और यूनिट में तीन सौ से अधिक कैडेट थे।

Amrit Mahotsav Series #38

#AmritMahotsav

Jhansi ki Rani regiment starts training

23 October 1943

The Rani of Jhansi Regiment Training began in Singapore on 23 October 1943. It was the Women's Regiment of the Indian National Army, with the aim of overthrowing the colonial British Raj from India. The unit was named the Rani of Jhansi Regiment after Lakshmibai, Rani of Jhansi.

Netaji Subhash Chandra Bose announced the formation of the Regiment where most of the women were teenage volunteers of Indian descent from Malayan rubber estates; very few had ever been to India. The initial force established its training camp in Singapore with approximately a hundred and seventy cadets. The cadets were ranked according to their education. Later, camps were established in Rangoon and Bangkok and the unit had more than three hundred cadets.

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #22

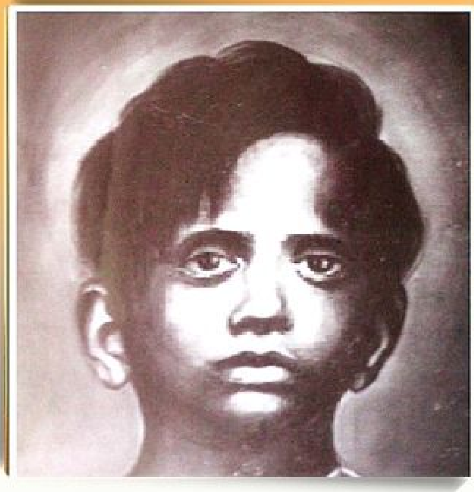

बाजी राउत

(5 अक्टूबर 1926 - 11 अक्टूबर 1938)

- ढेंकानाल, ओडिशा में **5 अक्टूबर 1926** को भारत के सबसे छोटे स्वतंत्रता सेनानी का जन्म
- प्रजामंडल की वानर सेना (किशोरों का संगठन) के सक्रिय सदस्य
- प्रजामंडल के कार्यकर्ताओं के कहने पर ब्राह्मणी नदी किनारे रात को पहरा देते थे बाजी
- नदी पार कराने से इनकार करने पर ब्रिटिश पुलिसकर्मी द्वारा गोली मारी गई
- 11 अक्टूबर 1938 को 12 साल की उम्र में शहीद हुए

Baji Rout

(5 October 1926 - 11 October 1938)

- Youngest Indian freedom fighter born on 5 October 1926 in Dhenkanal, Odisha
- An active member of Banar Sena (composed of young children) of the Prajamandal
- Boat boy who had volunteered to keep watch by the river at night
- Shot by British police when he refused to ferry them across the Brahmani River
- Martyred on 11 October 1938 at the age of 12

#AmritMahotsav

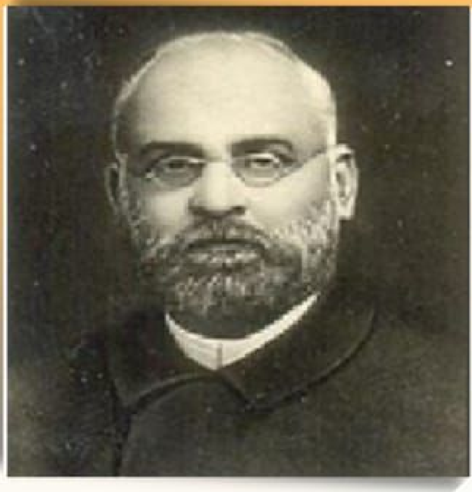

श्यामजी कृष्ण वर्मा

(4 अक्टूबर 1857 - 30 मार्च 1930)

- **4 अक्टूबर 1857** को आज के गुजरात में जन्म
- पेशे से अधिवक्ता और पत्रकार थे तथा संस्कृत भाषा के विशेषज्ञ थे
- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड में संस्कृत की शिक्षा दी
- इंडिया हाउस, इंडियन होम रूल सोसायटी और द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट पत्रिका की स्थापना की
- ब्रिटेन में युवाओं को भारत के औपनिवेशिक प्रशासन के खिलाफ खड़ा होने के लिए प्रेरित किया
- बंबई आर्य समाज के पहले अध्यक्ष
- वीर सावरकर, मदन लाल ढींगरा और लाला हरदयाल उनसे बहुत प्रेरित थे
- 30 मार्च 1930 को जिनेवा, स्विट्जरलैंड में निधन
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री) 2003 में उनकी अस्थियां जिनेवा से भारत वापस लाए

Amrit Mahotsav Series #21

#AmritMahotsav

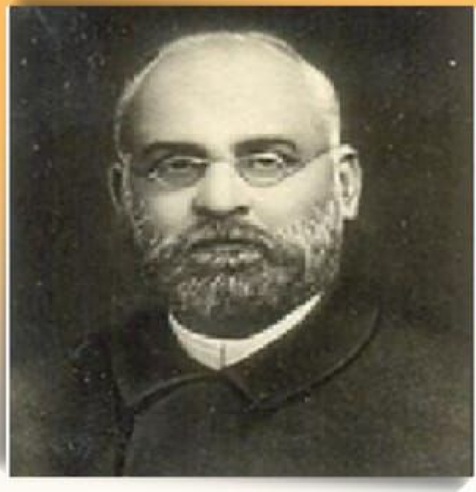

Shyamji Krishna Verma

(4 October 1857 - 30 March 1930)

- Born on 4 October 1857 in modern-day Gujarat
- Lawyer and journalist by profession and an expert in Sanskrit language
- Taught Sanskrit at the Oxford University, England
- Founded India House & Indian Home Rule Society and The Indian Sociologist journal
- Worked towards inspiring youngsters in Britain to stand up against the colonial administration in India
- First President of Bombay Arya Samaj
- Veer Savarkar, Madan Lal Dhingra and Lala Hardayal were deeply influenced by him
- Died on 30 March 1930 in Geneva, Switzerland
- PM Narendra Modi (then Gujarat CM) brought his ashes back from Geneva to India in 2003

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #20

कादम्बिनी गांगुली

18 जुलाई 1861 - 3 अक्टूबर 1923

- बिहार के भागलपुर में 18 जुलाई 1861 को जन्म
- कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने वाली पहली महिला
- पूरे दक्षिण एशिया में पश्चिमी चिकित्सा की पहली महिला डॉक्टर
- महिलाओं के उत्थान और नारी शिक्षा के लिए बहुत काम किया
- समाज सुधार आंदोलनों में सक्रियता से भागीदारी की
- 3 अक्टूबर 1923 को निधन हुआ

Amrit Mahotsav Series #20

#AmritMahotsav

Kadambini Ganguly

(18 July 1861 - 3 October 1923)

- Born on 18 July 1861 in Bhagalpur, Bihar
- The first woman to get admission in Calcutta Medical College
- First female practitioner of western medicine in the whole of South Asia
- Worked relentlessly for the upliftment of women and promoted female education
- Actively participated in social reform movements
- Died on 3 October 1923

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #18

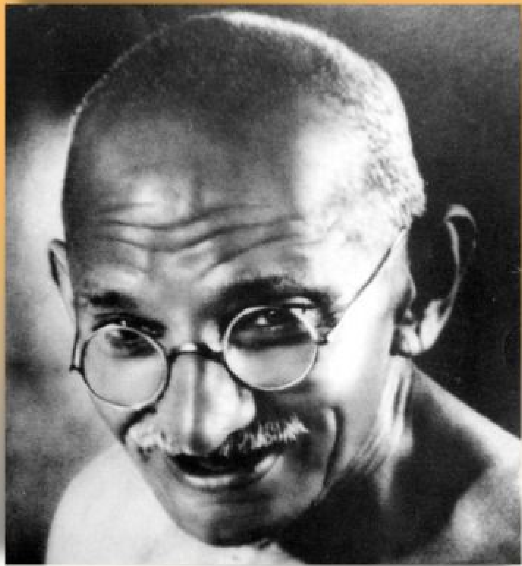

मोहनदास करमचंद गांधी

(2 अक्टूबर 1869 - 30 जनवरी 1948)

- 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में जन्म
- दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए 'सत्याग्रह' को शांतिपूर्ण विरोध के शस्त्र के रूप में उपयोग किया
- रॉलेट सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किया, स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने के लिए जनता को प्रेरित किया
- भारत छोड़ो आंदोलन में देशवासियों में 'करो या मरो' की भावना पैदा की
- छुआछूत के विरुद्ध अभियान के लिए खुद को समर्पित किया
- स्वच्छता और आत्मनिर्भरता के महत्व को उदाहरण द्वारा दर्शाया
- 'महात्मा', 'बापू' तथा 'राष्ट्रपिता' उपनामों से जाने गए

अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #18

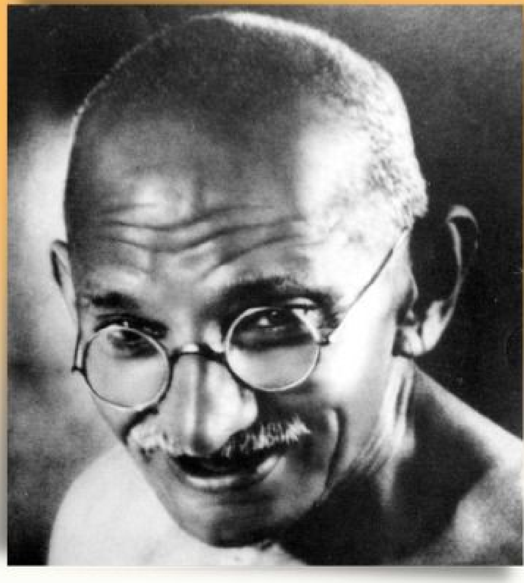

Mohandas Karamchand Gandhi

(2 October 1869- 30 January 1948)

- **Born on 2 October 1869 at Porbandar, Gujarat**
- **Moulded 'Satyagraha' into a weapon of peaceful resistance while in South Africa**
- **Led the Rowlatt Satyagraha, Non-Cooperation Movement and Civil Disobedience Movement among others; brought the masses into the national movement for freedom**
- **Exhorted the nation to 'Do or Die' during the Quit India Movement**
- **Devoted himself to a campaign against untouchability**
- **Demonstrated, by example, the importance of Swachhata and Self-Reliance**
- **Bestowed with the monikers 'Mahatma', 'Bapu' and 'Father of the Nation'**

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #19

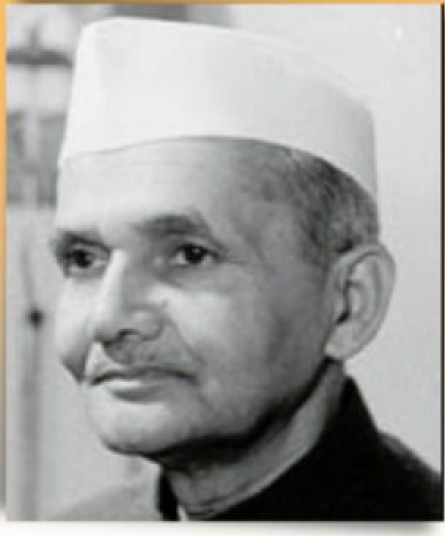

लाल बहादुर शास्त्री

(2 अक्टूबर 1904-11 जनवरी 1966)

- **2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्म**
- **भारत के दूसरे प्रधानमंत्री (1964-1966)**
- **गांधी जी के आह्वान पर असहयोग आंदोलन में शामिल होने के लिए पढ़ाई छोड़ी, बाद में वाराणसी के काशी विद्यापीठ में दाखिला लिया**
- **स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख राष्ट्रवादियों में से एक; ब्रिटिश जेलों में 7 साल बिताए**
- **प्रधानमंत्री बनने से पहले रेल, परिवहन और संचार, वाणिज्य व उद्योग और गृह जैसे अहम मंत्रालय संभाले**
- **रेल मंत्री के रूप में पारदर्शिता की मिसाल कायम की थी**
- **1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारत का नेतृत्व किया, "जय जवान, जय किसान" का अविस्मरणीय नारा दिया**

Amrit Mahotsav Series #19

#AmritMahotsav

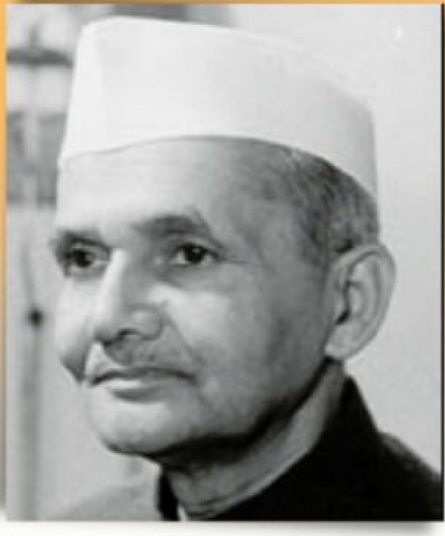

Lal Bahadur Shastri

(2 October 1904- 11 January 1966)

- **Born on 2 October 1904 at Mughalsarai, Uttar Pradesh**
- **Second Prime Minister of India (1964-1966)**
- **Gave up his studies in response to the Mahatma's call for Non-Cooperation; later joined the Kashi Vidya Peeth in Varanasi**
- **Prominent nationalist of the freedom movement; spent a total of 7 years in British jails**
- **Held several key portfolios in the Union Cabinet, including Railways, Transport and Communications, Commerce and Industry, Home**
- **Set the highest standards of transparency as the Minister for Railways**
- **Led India during the Indo-Pakistan War of 1965, immortalized the slogan "Jai Jawan, Jai Kisan"**

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

एनी बेसेंट

(1 अक्टूबर 1847 - 20 सितम्बर 1933)

- 1 अक्टूबर 1847 को लंदन, यूनाइटेड किंगडम में जन्म
- ब्रह्मविद्यावादी, महिला अधिकार कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, लेखक, भारत के स्वराज की पक्षधर
- अडयार, मद्रास में मुख्यालय वाली थियोसोफिकल सोसायटी की अध्यक्ष रहीं
- लोकमान्य तिलक के साथ 1916 में स्वराज के लिए होम रूल लीग आंदोलन शुरू किया
- 1917 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष बनीं
- बनारस (वाराणसी) में सेंट्रल हिंदू कॉलेज की स्थापना की
- भारत में स्काउट आंदोलन की शुरुआत की

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series # 17

Annie Besant

(1 October 1847 - 20 September 1933)

- **Born on 1 October, 1847 in London, United Kingdom**
- **Theosophist, women's rights activist, educationist, writer, champion of Indian self-rule**
- **President of the Theosophical Society headquartered in Adyar, Madras**
- **Launched the Home Rule League movement for Swaraj in 1916 with Lokmanya Tilak**
- **Became the first woman President of the Indian National Congress in 1917**
- **Established the Central Hindu College in Banaras (Varanasi)**
- **Founded the Scout Movement in India**

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला #16

'कामागाटा मारू' घटना

29 सितंबर 1914

अप्रैल 1914 में, बाबा गुरदित्त सिंह के नेतृत्व में पंजाब के 376 यात्रियों के साथ एक जापानी समुद्री जहाज 'कामागाटा मारू' हांगकांग से रवाना हुआ था। ब्रिटिश अधिकारियों ने यात्रियों को कनाडा के वैंकूवर में उतरने नहीं दिया। मजबूरी में वापस लौटा 'कामागाटा मारू' सितंबर में कलकत्ता के बजबज पर पहुंचा। वहां 29 सितंबर 1914 को पुलिस के साथ हिंसक झड़प में 19 यात्रियों की गोली लगने से मौत हो गई। 'कामागाटा मारू' घटना ने गदर आंदोलन के उदय में उत्प्रेरक का काम किया।

#AmritMahotsav

'Komagata Maru' Incident

29 September 1914

In April 1914, 376 passengers from Punjab, led by Baba Gurdit Singh, sailed from Hong Kong on 'Komagata Maru', a Japanese steamship. British authorities did not permit them to deboard at their destination in Vancouver, Canada. Forced to return, Komagata Maru arrived at Budge Budge, Calcutta, in September. A violent confrontation with the police on 29 September 1914 resulted in 19 passengers being killed in firing. The Komagata Maru incident served as a catalyst for the rise of the Ghadr Movement.

अमृत महोत्सव श्रृंखला #15

#AmritMahotsav

भगत सिंह

(28 सितंबर 1907 - 23 मार्च 1931)

- 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लयालपुर जिले (अब पाकिस्तान में) में जन्म
- नौजवान भारत सभा और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के संस्थापकों में शामिल
- लाला लाजपत राय पर हमले के बाद सहायक पुलिस अधीक्षक जे.पी. सांडर्स की गोली मारकर हत्या की
- व्यापार विवाद विधेयक और जन सुरक्षा विधेयक को पारित करने के विरोध में 1929 में दिल्ली की सेंट्रल लेजिसलेटिव असेंबली में बम विस्फोट किया
- इस विस्फोट का उद्देश्य किसी को क्षति पहुँचाना नहीं, बल्कि अपनी बात सरकार तक पहुँचाना था
- सुखदेव थापर और शिवराम हरि राजगुरु के साथ फांसी की सजा मिली
- 23 मार्च 1931 को लाहौर सेंट्रल जेल में देश के लिए प्राणों का बलिदान दिया

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #15

Bhagat Singh

(28 September 1907 - 23 March 1931)

- **Born on 28 September 1907 in Lyallpur district, Punjab (now in Pakistan)**
- **One of the founders of Naujawan Bharat Sabha & Hindustan Socialist Republican Association**
- **Shot dead J.P. Saunders, Assistant Suptd. of Police, for the assault on Lala Lajpat Rai**
- **Caused a bomb explosion in the Central Legislative Assembly in Delhi in 1929 to protest the passing of the Trade Disputes Bill & Public Safety Bill**
- **His aim behind the harmless explosion was to "make the deaf hear"**
- **Sentenced to death along with comrades Sukhdev Thapar & Shivaram Hari Rajguru**
- **Died fearlessly on the gallows in Lahore Central Jail on 23 March, 1931**

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

अमृत महोत्सव श्रृंखला #14

#AmritMahotsav

राजा राममोहन राय

(22 मई 1772 - 27 सितंबर 1833)

- समाज सुधारक, शिक्षाविद, पत्रकार, बहुभाषाविद
- भारतीय पुनर्जागरण के अग्रणी व्यक्ति
- सती प्रथा के उन्मूलन में योगदान के लिए जाने जाते हैं
- बहुविवाह, बाल विवाह और जाति प्रथा के कड़े विरोधी
- सभी धर्मों की एकता में विश्वास रखने वाले ब्रह्म समाज की स्थापना की
- 27 सितंबर 1833 को उनका निधन हुआ

#AmritMahotsav

Raja Ram Mohan Roy

(22 May 1772 - 27 September 1833)

- Social reformer, educationist, journalist, polyglot
- Pioneer of the Indian Renaissance
- Widely known for his role in abolishing the practice of 'Sati'
- Staunchly opposed polygamy, child marriage and caste system
- Founded the Brahmo Samaj, which believed in unity of all religions
- Passed away on 27 September 1833

अमृत महोत्सव श्रृंखला #13

#AmritMahotsav

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

(26 सितंबर 1820- 29 जुलाई 1891)

- **26 सितंबर 1820** को पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में जन्म
- समाज सुधारक, लेखक, शिक्षाविद; बंगाल के पुनर्जागरण के स्तंभों में से एक
- बालिकाओं की शिक्षा के लिए अहम योगदान दिया
- उनके अथक प्रयासों से विधवा पुनर्विवाह कानून, 1856 पारित हुआ
- बांग्ला अक्षरों को सरल बनाया, बांग्ला वर्णमाला 'बर्ण परिचय' लिखी
- ज्ञान के कारण उन्हें 'विद्यासागर' की उपाधि मिली

@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

BOC_MIB

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #13

Ishwar Chandra Vidyasagar

(26 September 1820 - 29 July 1891)

- Born on 26 September 1820 in Midnapore district, West Bengal
- Social reformer, writer, educationist; a pillar of the Bengal Renaissance
- Championed the cause of education, especially for girls
- Successfully campaigned to legalise remarriage of widows
- His efforts resulted in the passage of the Widow Remarriage Act, 1856
- Reconstructed the Bengali alphabet; wrote the Bengali primer 'Barna Parichay'
- Earned the title of 'Vidyasagar' or 'Ocean of Knowledge' for his vast learning

@BOC_MIB

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

BOC_MIB

अमृत महोत्सव श्रृंखला #11

#AmritMahotsav

प्रीतिलता वाद्देदार

(5 मई 1911 - 24 सितंबर 1932)

- चटगाँव, बंगाल (अब बांग्लादेश में) में 5 मई 1911 को जन्मी एक स्वतंत्रता सेनानी
- महान स्वतंत्रता सेनानी सूर्य सेन की अध्यक्षता वाले क्रांतिकारी समूह में शामिल हुईं
- ब्रिटिश वर्चस्व के प्रतीक पहाड़तली यूरोपियन क्लब, चटगाँव– पर हमले के लिए एक समूह का नेतृत्व किया
- हमले के दौरान भीषण गोलीबारी में उनके पैर में गोली लगी
- गिरफ्तारी से बचने के लिए जहर खाया, 24 सितंबर 1932 को उनकी मृत्यु हुई

@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

BOC_MIB

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series #11

Pritilata Waddedar

(5 May 1911 - 24 September 1932)

- An Independence activist born on 5 May 1911 in Chittagong, Bengal (now in Bangladesh)
- Joined a freedom fighter group headed by Surya Sen
- Led a team to attack Pahartali European Club, Chittagong - which symbolised the British supremacy
- Was shot in her leg ensuing a fierce gun battle during the attack
- Died on 24 September 1932 after consuming poison to avoid getting arrested

#AmritMahotsav

गांधी जी का अपनी पोशाक बदलने का ऐतिहासिक निर्णय

(22 सितंबर 1921)

गांधी पोट्टल (मदुरै) पर लगी उनकी मूर्ति

- **22 सितंबर 1921 को पारंपरिक गुजराती पोशाक को त्याग कर साधारण धोती और गमछा को अपनी पोशाक बनाया।**
- **गांधी जी ने गरीब जनता के साथ जुड़े रहने के लिए नई पोशाक चुनी।**
- **गांधी पोट्टल, मदुरैः नई वेशभूषा में जनता के बीच पहली बार उपस्थित हुए।**
- **विदेश यात्राओं तथा जीवन के अंतिम क्षण तक भी इसी पोशाक में रहे।**

#AmritMahotsav

Gandhiji's Momentous Decision of Changing his Attire

(22 September 1921)

Statue at Gandhi Pottal

- **Transformed from an elaborate Gujarati attire to a simple loincloth on 22 September 1921**
- **Gandhiji chose this attire to identify himself with the poor masses**
- **Gandhi Pottal, Madurai: His first public appearance in the new loincloth attire**
- **Stuck to this dress code even on his trips abroad and until his very last moment**

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला

कनकलता बरूआ

(22 दिसंबर 1924 - 20 सितंबर 1942)

- 22 दिसंबर 1924 को गोहपुर, असम में जन्मी एक निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान वह गोहपुर जिले के युवाओं के समूहों से बने मौत के दस्ते 'मृत्यु वाहिनी' का हिस्सा थीं
- 20 सितंबर 1942 को एक पुलिस थाने में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के दृढ़ संकल्पित प्रयास के दौरान गोली लगने से शहीद हुईं
- 'असम की 17 वर्षीय शहीद' के रूप में लोकप्रिय हुईं

#AmritMahotsav

#08

Amrit Mahotsav Series

Kanaklata Barua

(22 December 1924 – 20 September 1942)

- An Indian independence activist born on 22 December 1924 in Gohpur, Assam
- She was a part of the Mrityu Bahini, a death squad comprising groups of youth from the Gohpur district, during the Quit India Movement
- Attained martyrdom on 20 September, 1942 when she courageously faced bullets while making a fiercely determined effort to hoist the national flag on a police station
- Popularly known as the ‘17-year-old martyr of Assam’

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

@BOC_MIB
BOC_MIB

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला

मदन लाल ढींगरा

(18 सितम्बर 1887- 17 अगस्त 1909)

- 18 सितम्बर 1887 को अमृतसर में जन्म
- देशभक्त और स्वतंत्रता सेनानी, भारत की स्वतंत्रता के लिए ब्रिटेन में क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया
- उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन गए, जहाँ वे श्यामजी कृष्ण वर्मा और वीर सावरकर के संपर्क में आए
- लंदन में 'इंडिया ऑफिस' में राजनीतिक सहायक (ए.डी.सी.) कर्नल विलियम कर्ज़न वायली की गोली मारकर हत्या की
- 17 अगस्त 1909 को लंदन की पेंटनविले जेल में फांसी दी गयी

Amrit Mahotsav Series

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

Madan Lal Dhingra

(18 September 1887 — 17 August 1909)

- Born on 18 September 1887 in Amritsar
- Patriot and freedom fighter; took part in revolutionary activities in Britain for the cause of Indian independence
- Went to Britain for higher studies, where he came in contact with Shyamji Krishnavarma and Veer Savarkar
- Shot dead Col. William Curzon Wyllie, Political A.D.C. in the India Office in London
- Sentenced to death; died on the gallows at the Pentonville Prison, London, on August 17, 1909

@BOC_MIB
Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India
BOC_MIB

#AmritMahotsav

महावीर सिंह

(16 सितम्बर 1904 -17 मई 1933)

- 16 सितम्बर 1904 को कासगंज, उत्तर प्रदेश में जन्म
- उत्कट क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी
- नौजवान भारत सभा और हिंदुस्तान सोशिलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य
- भगत सिंह, बटुकेश्वर दत्त व दुर्गा भाभी के लाहौर के मोजांग चुंगी से भागने में मदद की
- लाहौर षडयंत्र केस में भागीदार होने पर गिरफ्तार किए गए और अंडमान में कुख्यात काला पानी की सज़ा दी गयी

Amrit Mahotsav Series

#AmritMahotsav

Mahavir Singh

(16 September 1904 – 17 May 1933)

- **Born in Kasganj, Uttar Pradesh on 16 September 1904**
- **Fervent revolutionary and freedom fighter**
- **Active member of the Naujawan Bharat Sabha and the Hindustan Socialist Republican Association**
- **Helped Bhagat Singh, Batukeshwar Dutta and Durga Bhabhi escape from Mozang House in Lahore**
- **Arrested for his involvement in the 'Lahore conspiracy case' and deported to the infamous Cellular Jail of Andaman**

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

@BOC_MIB

अमृत महोत्सव श्रृंखला

#AmritMahotsav

चम्पक रमन पिल्लई

(15 सितम्बर 1891-26 मई 1934)

- **15 सितम्बर 1891** को त्रिवेंद्रम (तिरुवनंतपुरम), केरल में जन्म
- राजनैतिक कार्यकर्ता और क्रांतिकारी
- ज्यूरिख, स्विट्ज़रलैंड में इंटरनेशनल प्रो-इंडिया कमेटी का गठन किया तथा 'प्रो इंडिया' प्रकाशन का शुभारंभ किया
- बर्लिन समिति के मुख्य सदस्य (जो वर्ष 1915 के बाद से भारतीय स्वतंत्रता समिति के नाम से जानी जाती है)
- सुभाष चन्द्र बोस और वीरेन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय जैसे राष्ट्रवादियों से जुड़े थे
- 1 दिसंबर 1915 को काबुल, अफ़ग़ानिस्तान में स्थापित भारत की अस्थायी सरकार में विदेश मंत्री थे

@BOC_MIB

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

Amrit Mahotsav Series

#AmritMahotsav

Chempakaraman Pillai

(15 September 1891 to 26 May 1934)

- **Born in Trivandrum (Thiruvananthapuram), Kerala on 15 September 1891**
- **Political activist and revolutionary**
- **Founded the International Pro-India Committee in Zürich and launched the publication 'Pro-India'**
- **Key member of the Berlin Committee (known after 1915 as the Indian Independence Committee)**
- **Associated with nationalists like Subhash Chandra Bose and Virendranath Chattopadhyay**
- **Foreign minister of the Provisional Government of India set up in Kabul, Afghanistan on 1 December 1915**

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

@BOC_MIB

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला

गरिचेर्ला हरिसर्वोत्तम राव

(14 सितम्बर 1883 - 29 फरवरी 1960)

- कुरनूल, आंध्र प्रदेश में 14 सितम्बर 1883 में जन्म
- राष्ट्रवादी, शिक्षाविद और समाज सुधारक, 'आंध्रा तिलक' के नाम से सुशोभित
- देश में पुस्तकालय और व्यस्क शिक्षा आंदोलन के अग्रदूतों में से एक थे
- स्वराज्य और आंध्र पत्रिका जैसे समाचार पत्रों के संपादक
- होम रूल लीग के आंध्र डिवीजन के सचिव
- मद्रास विधान सभा के सदस्य

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series

Gadicherla Harisarvottama Rao

(14 September 1883 – 29 February 1960)

- Born in Kurnool, Andhra Pradesh on 14 September 1883
- Nationalist, educationist and social reformer, hailed as 'Andhra Tilak'
- One of the pioneers of library and adult education movements in the country
- Editor of newspapers - *Swarajya and Andhra Patrika*
- Secretary of the Andhra Division of the Home Rule League
- Member of the Madras Legislative Council

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

अमृत महोत्सव श्रृंखला

जतींद्र नाथ दास

27 अक्टूबर 1904 -13 सितंबर 1929

- 1904 में कलकत्ता (कोलकाता) में जन्म
- प्रेरणादायक स्वतंत्रता सेनानी, मानवाधिकार कार्यकर्ता और उत्साही क्रांतिकारी
- युवावस्था में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के राजनीतिक कैदियों के लिए काम किया
- बंगाल में अनुशीलन समिति के सदस्य रहे
- महात्मा गांधी द्वारा शुरू असहयोग आंदोलन में भाग लिया
- भगत सिंह और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम किया
- राजनीतिक कैदियों के अधिकारों के संरक्षण के लिए लाहौर जेल में 63 दिन के अनशन के बाद 25 साल की उम्र में 13 सितंबर 1929 को शहीद हुए

लोक संपर्क और संचार ब्यूरो
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव

#AmritMahotsav

Amrit Mahotsav Series

Jatindra Nath Das

27 October 1904 – 13 September 1929

- Born in Calcutta (Kolkata) in 1904
- An inspirational freedom fighter, human rights activist and a fervent revolutionary
- At a very young age, worked for the cause of political prisoners in the Indian freedom movement
- A member of the Anushilan Samiti in Bengal
- Participated in the Non-Cooperation movement launched by Mahatma Gandhi
- Collaborated with Bhagat Singh and other members from the Hindustan Socialist Republican Association
- Attained martyrdom on 13 Sep 1929 at the age of 25 years after a 63-day-long fast at Lahore Jail for protecting the rights of political prisoners

Bureau of Outreach and Communication
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

Unsung Heroes of the Freedom Movement from Maharashtra
(Past and present)

Anant Laxman Kanhere (1892 -1910) was an Indian independence fighter from Nashik. On 21 December 1909, he shot dead the Collector of Nashik in British India. The murder of Jackson was an important event in the history of Nashik and the Indian revolutionary movement in Maharashtra. He was prosecuted in Bombay court and hanged in the Thane Prison on 19 April 1910, aged just 18.

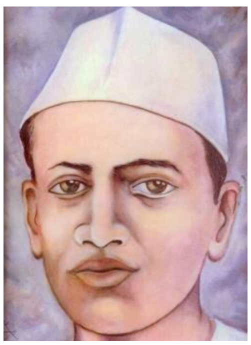

Babu Genu(1908 -1930) was an India freedom fighter and revolutionary. On 12 December 1930, a cloth merchant named George Frazier of Manchester was moving loads of foreign-made cloth from his shop in old Hanuman galli in the Fort region to Mumbai Port. He was given police protection as per his request. The activists begged not to move the truck, but the police forced the protesters aside and managed to get the truck moving. Near Bhaangwadi on Kalbadevi Road, Shahid Babu Genu stood in front of the truck, shouting praises for Mahatma Gandhi. The police officer ordered the driver to drive the truck over Shahid Babu Genu, but the driver was Indian, so refused, saying: "I am Indian and he is also Indian, So, we both are the brothers of each other, then how can I murder my brother?". After that, the English police officer sat on the driver seat and drove the truck over Babu Genu and crushed him to death under the truck. This resulted in a huge wave of anger, strikes, and protests throughout Mumbai.

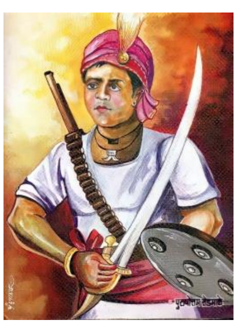

Babu Shedmake (1833–1858) was an Indian pro-independence rebel and a Gond chieftain from Central India. During the Indian Rebellion of 1857, he led the revolt in Chanda district. Born in a Gond zamindar family, he fought multiple battles against the British in a period of seven months in 1858. He was eventually captured and hanged for rebellion against the British government. Baburao Shedmake's life and his revolt against foreign rule are still celebrated by the Gond community. A sobriquet *veer*, i.e. brave, is added to his name as a mark of his bravery. His birth and death anniversaries are observed annually throughout Gondwana region.

(# Why important : Being a prominent tribal chieftain of the Gond community. Maharashtra's Birsa Munda)

Baiza Bai: (1784-1863) Baiza Bai was born in Kagal, Kolhapur, Maharashtra in 1784. In February 1798 in Poona, at the age of 14, she was married to Daulat Rao Scindia, the ruler of Gwalior. She was known as a superb horsewoman, and had been trained to fight with a sword and spear. She accompanied her husband during the Maratha wars with the British, and she fought against Arthur Wellesley, the future Duke of Wellington, at the Battle of Assaye. During the British campaign against the Pindaris, she had urged her husband to support the Peshwa Baji Rao II against them. When Daulat Rao submitted to British demands, she even left him briefly, accusing him of cowardice. She was also fiercely opposed to the Scindia surrender of Ajmer to the British. Baiza Bai died in Gwalior in 1863.

(#Why important : Being a warrior queen who fought against the army of Arthur Wellesley)

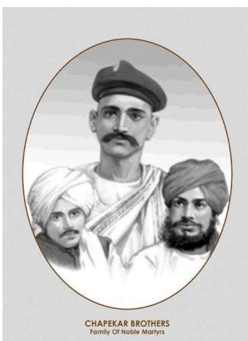

Chapekar brothers – Damodar, Balakrishna and Vasudev were involved in the murder of W. C. Rand, the British plague commissioner of Pune. A Special Plague Committee was formed, under the chairmanship of Walter Charles Rand, an Indian Civil Services officer. Troops were brought in to deal with the emergency. The measures employed included entry into private houses, stripping and examination of occupants (including women) by British officers in public, evacuation to hospitals and segregation camps and preventing movement from the city. These measures were considered oppressive by the populace of Pune and complaints were ignored by Rand. On 22 June 1897, the Diamond Jubilee of the coronation of Queen Victoria, Rand and his military escort Lt. Ayerst were shot while returning from the celebrations at Government House. All three brothers were found guilty and hanged in 1899 (Chapekar Brothers story is reasonably well known)

Godavari Parulekar (1907- 1996) was the first woman law graduate in Maharashtra. She was active in the student movement against British rule and was irresistibly drawn to the freedom struggle and plunged into individual satyagraha, for which she was convicted by the British regime in 1932. Godavari then came to Mumbai, where she took up social service in the Servants of India Society, founded by Gopal Krishna Gokhale in 1905, in the early 1930s. She became the first woman to be inducted as a life member of the Society. She was influenced by Marxist ideologies and led the armed struggle for the liberation of Dadra and Nagar Haveli from Portuguese rule and the Warli Adivasi Revolt in 1945.

Krishnaji Gopal Karve (1887-1910) was a member of the Abhinav Bharat Society in Nashik. On 21 December 1909, he along with Anant Laxman Kanhere shotdead Arthur Jackson, the Collector of Nashik. He was sentenced to death in the Bombay high court and hanged in Thane Jail on 19 April 1910.

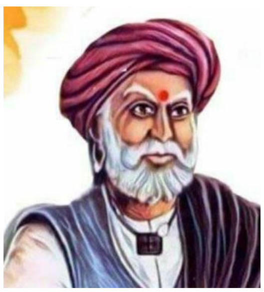

Lahuji Vastaad or Lahuji Raghoba Salve (1794-1881) was a Dalit activist, preacher and freedom fighter. He learnt wrestling from his father and he became an expert wrestler, which eventually conferred him the title of 'Vastaad' (or master). He owned a gymnasium at Ganj peth in Pune where he also taught martial arts to many reknowed people and also acted as a mentor preaching the need for Indian freedom from British Raj and the upliftment of untouchables. Lahuji got acquainted with Jyotirao Phule's work for the liberation of depressed classes by educating them and joined his Satyashodhak Samaj.

(# Why important : Being one of the first Dalit independence activists)

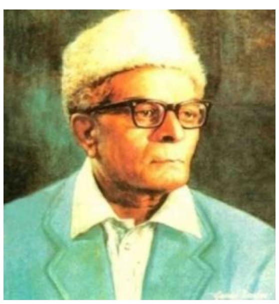

Madhavrao Bagal (1895-1986) was among the front runner leaders, who spearheaded the agitation for independence of India and especially merger of Kolhapur State into the Union of India. He was arrested with several of his compatriots like Ratnappa Kumbhar, Dinakar Desai, Nanasaheb Jagadale, R. D. Minche and others. He joined Indian National Congress in mid-1930s, disillusioned by pro-British politics played by older leaders of peasants movement like Bhaskarrao Jadhav, with whom Madhavrao had started agricultural co-operative societies in Kolhapur and adjoining regions.[10] During 1940-47, he was closely working with leaders like Mahatma Gandhi, Vallabhbhai Patel, Jawaharlal Nehru.[

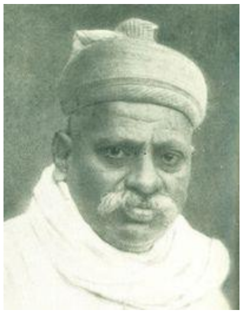

#. **Madhav Shrihari Aney** (1880 –1968) popularly called Loknayak Bapuji Aney , was an ardent educationist, freedom fighter, statesman, a modern Sanskrit poet and a politician. He was one of the founder of the Congress Nationalist Party along with Madan Mohan Malaviya. He was first among the eminent disciples of Lokmanya Tilak and after Tilak's death accepted the leadership of Mahatma Gandhi . He disapproved Congress throwing itself in Khilafat Movement and warned against excessive wooing of Muslims at the cost of national interests. Mahatma Gandhi admiring his calm logic, confided in him and often sought his counsel. He was chosen to arbitrate the disputes between Subhash Chandra Bose and Jatindra Mohan Sengupta.

(#Why important : For being the confidant of Mahatma Gandhi and a voice of reason)

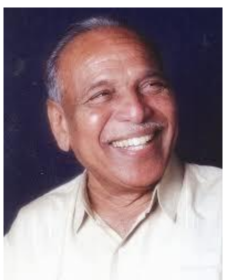

Nagnath Naikwadi (1922–2012), popularly known as **Krantiveer Nagnath anna**, was an Indian independence activist, social worker, politician and educationist, known for his revolutionary activism during the Indian independence struggle. During the early 1940s, Naikwadi and his colleagues resorted to armed conflict against the British colonial authorities. In order to raise funds for the movement, his group robbed a government treasury in Dhule and supported the insurgency against the Nizam of Hyderabad.[3] During one of his skirmishes with the British police, he was caught after being injured by a bullet. While in custody at Satara jail, he staged a jailbreak with his fellow activists. The British colonial government announced a reward on his head but Naikwadi managed to stay underground for four years.[2] In 1943, along with Nana Patil, Kisanrao Ahir and a few others, he declared a parallel government, *Prati Sarkar*, which operated in around 150 villages in the western Maharashtra region which included Satara and Sangli.[3]

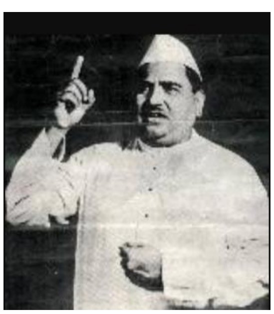

Nana Patil, popularly known as *Krantisinh* was an Indian independence activist. He was a founder member of the Hindustan Republican Association who went underground between 1929 and 1932. Patil was imprisoned eight or nine times during the struggle with the British Raj from 1932 to 1942. He was the leader of the 'Satara Parallel Government' in Maharashtra from August 1943 to May 1946 against British rule. It was an armed offshoot of the 1942 Quit India movement, like the parallel governments in Midnapore in Bengal, Bhagalpur in Bihar, Ballia in Uttar Pradesh and Basudevpur in Odisha. Later on he joined the Communist movement.

(#Why important : For leading the Satara Parallel Govt during British rule)

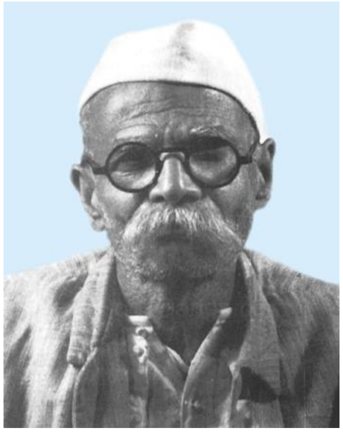

 # Pandurang Mahadev Bapat (1880-1967) A maverick freedom fighter who both supported and challenged Mahatma Gandhi, Bapat earned the moniker of 'Senapati' when he fought for the rights of farmers during the Mulshi satyagraha in 1921. During his stay in Britain, he was associated with India House, spending a majority of his time learning bomb-making skills instead of pursuing his official studies. He became associated at this time with the Savarkar brothers, Vinayak and Ganesh. While in hiding after the Alipore bombing of 1908, Bapat travelled the country and discovered that the majority of the Indian population did not realize that their country was under foreign rule. At this point, his focus shifted from overthrowing the British government to educating the population. On 15 August 1947 — Indian Independence Day — Bapat was given the honour of raising the Indian national flag over the city of Poona for the first time.

(#Why important : For being both a supporter and challenger of Mahatma Gandhi)

Pandurang Sadashiv Khankhoje (1884 –1967) was an Indian revolutionary, scholar, agricultural scientist and historian who was among the founding fathers of the Ghadar Party. Khankhoje's earliest nationalist work abroad dates back to the time around 1908 when he, along with Pandit Kanshi Ram founded the Indian Independence League in Portland, Oregon. His works also brought him close to other Indian nationalists in United States at the time, including Tarak Nath Das. In the years preceding World War I, Khankhoje was one of the founding members of the Pacific coast Hindustan association, and subsequently founded the Ghadar Party. He was at the time one of the most influential members of the party.

Prabhakar Kunte (1922-2012) joined the Indian National Congress and was active in Quit India movement in 1942, and was imprisoned by British regime. He was a leading trade union leader and was elected to the Bombay Municipal corporation. He actively participated in the Samyukta Maharashtra agitation (1955–1960) and the liberation of Goa (1961).

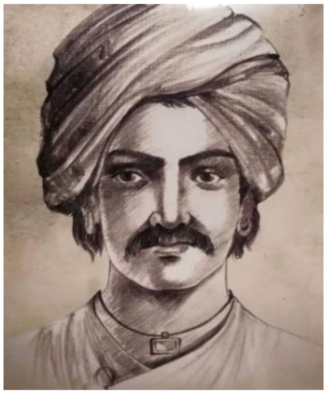

Raghoji Bhangre (1805-1848) was an Indian Revolutionary who challenged and defied the British power in Maharashtra. He was the son of Ramji Rao Bhangre a Koli who also resisted the British rule and was subsequently hanged in Cellular Jail. He had killed a British Officer and 10 constables in an ambush in 1844.

Rama Khandwala (born 1926) is India's oldest tour guide and the oldest living member of the Rani Jhansi Regiment formed by Subhas Chandra Bose during India's freedom movement. Films Division has made a documentary on Rama Khandwala in 2019.

(#Why important : for being the oldest living member of INA founded by Subhash Chandra Bose)

Capt. Rambhhau Lad (1926 -) ' led the Toofan Sena which was the armed wing of the *Prati Sarkar* in Satara - an astonishing chapter in India's struggle for freedom. The *prati sarkar*, headed by the legendary Krantisinh Nana Patil, functioned as a parallel government in the villages it controlled. It organised the supply and distribution of foodgrain, set up a market structure and ran a judicial system. It also penalised moneylenders, pawnbrokers and landlord collaborators of the Raj, The Toofan Sena conducted daring strikes on imperial armouries, trains, treasuries and post offices.

 # Shirishkumar Mehta (1926-1942) was an Indian freedom fighter and the youngest independence activist to be martyred at the age of 15. Mahatma Gandhi started the Quit India movement against the British in 1942. Shirishkumar was leading a procession protesting against the government in Nandurbar. The police had set up barricades at Mangal Bazar area. The police launched a Lathi charge on the protesters as soon as procession reached them. Shirishkumar had the Tiranga, the Indian national flag and the slogan was 'Vande Mataram'. The police opened fire when their lathi charge could not stop the procession. Shirishkumar was killed on the spot.

(# Why important : For being the youngest martyr of Quit India Movement at age 15)

Shivram Bhiku Murkar was born in Dabhol village in taluka Dapoli, district Ratnagiri. He actively participated in the freedom struggle, the record of which is lost in time. as he worked in fisheries and had to deal with ports every day, he received secret messages that came via the sea route and passed on to his revolutionary comrades, including the ones underground. He was arrested by the British in Mumbai in 1930. He was arrested because he helped hiding the revolutionaries. He was sentenced to a prison life of around 2 – 3 years.

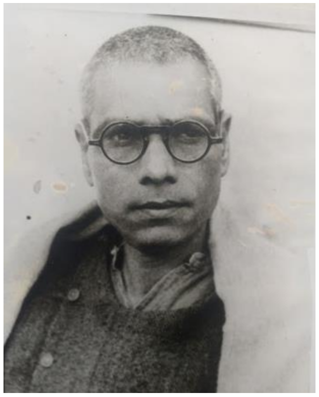

Swami Ramanand Tirtha (1903 –1972) was an Indian freedom fighter, educator and social activist who led the Hyderabad liberation struggle during the reign of Osman Ali Khan, the last Nizam of Hyderabad State. Swami Ramanand Tirtha was the principal leader of the Hyderabad State Congress. Before taking Sanyasa, his family name was Vyenkatesh Bhagvanrao Khedgikar. The state university in Nanded is named after him. *(Reasonably well known. Nanded University is named after him)*

Umaji Naik (1791-1832) was an Indian revolutionary from Pune was one of the earliest freedom fighter of India who challenged the British rule in India around 1826 to 1832.He fought against East India company and company rule. Soon after the fall of Maratha Empire Umaji raised a tiny army against the British. His anti-British manifesto asked the country-men to fight against the foreign rulers. To capture him, the British Government announced a bounty of 10,000 rupees. Betrayed Nana Raghu Chavan British arrested him, enquired then hold him guilty and hanged till death on 3 Feb 1834.

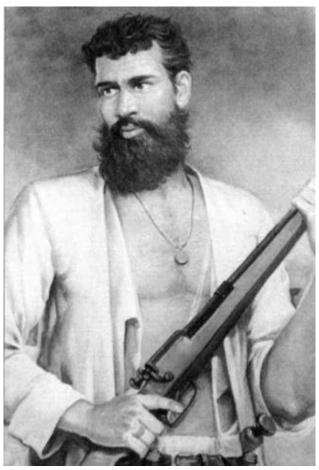

(Reasonably well known)

Vasudev Balwant Phadke (1845 –1883) was an Indian independence activist and revolutionary who sought India's independence from the British Raj. With the help of the Koli, Bhil and Dhangar communities in the region, he formed a revolutionary group of the Ramoshi people. The group started an armed struggle to overthrow the British Raj, launching raids on rich English businessmen to obtain funds for the purpose. Phadke came to prominence when he got control of the city of Pune for a few days after catching British soldiers off-guard during one of a surprise attacks. Phadke was transported to jail at Aden, but escaped from the prison by taking the door off from its hinges on 13 February 1883. He was soon recaptured and then went on a hunger strike, dying on 17 February 1883.

Vishnu Ganesh Pingle (1888 –1915) was an Indian revolutionary and a member of the Ghadar Party . Pingle and a number of other Ghadarites including Kartar Singh Sarabha, Harnam Singh and Bhai Paramanand were tried in the Lahore Conspiracy trial in April 1915 by a special tribunal constituted under the Defence of India Act 1915, for their roles in the February plot.] Pingle was executed by hanging at the Lahore Central Jail on 16 November 1915, along with Kartar Singh.

3 Places associated with freedom struggle

Satara : The Satara parallel government in Maharashtra from August 1943 to May 1946 against British rule was a legendary chapter in the glorious freedom struggle of India. It was an armed offshoot of the 1942 Quit India movement, like the parallel governments in Midnapore in Bengal, Bhagalpur in Bihar, Ballia in Uttar Pradesh and Basudevpur in Odisha. British rule was effectively overthrown in large parts of Satara district (now bifurcated into Satara and Sangli districts) of western Maharashtra during those three years. The parallel government (prati sarkar) movement was a guerrilla type of struggle, and it operated in over 250 villages with solid peasant support. There were raids on taluka treasuries and armouries. The prati sarkar took over many of the functions of the government. This parallel government established many public utilities like a market system, supply and distribution of food-grains and a judicial system to settle disputes and penalise dacoits and robbers, pawnbrokers and money lenders. Law and order was entirely in its hands. Under this government an army was formed named Toofan Sena

Wardha: Wardha and its adjacent city Sevagram were major centers for the Indian Independence Movement, especially as the location for an annual meeting of the Indian National Congress in 1934, and Mahatma Gandhi's Ashram.

Aronda : A village in Sindhudurg District (formerly Ratnagiri district) of Maharashtra on Terkhol river. This village is associated with the Goa Liberation Movement against the Portuguese rule. The Goa Liberation Movement had its first meeting in 1947 in Aronda, held by Dr. Ram Mohan Lohia at Ummal Maidan

Palghar Martyrs : Palghar was one of the important sites of 1942 Quit India Movement. On 14 August 1942, there was an uprising against the British in Palghar, in which Kashinath Hari Pagdhare, Govind Ganesh Thakur, Ramprasad Bhimashankar Tiwari, Ramchandra Mahadev Churi, and Govind Sukur More were killed. The main circle of Palghar is known as "Paachbatti" (which means 'five lights' in Marathi) in honour of these martyrs. 14 August has been declared "Martyrs Day" in Palghar, when people gather at Paachbatti Circle to honour the five who sacrificed their lives for Indian independence.